दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार

प्रदेश के ताजा समाचार

अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत

7014997449, 9636058201

Email : deshkadarpannews@gmail.com

web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-4, अंक:269

जयपुर, शुक्रवार, 13 नवंबर 2026

मूल्य : 5.00 पेज:

देश का Darpan News TV

FW FASTWAY

Comming Soon

काम करने के लिए सम्पर्क करें

50 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया: पीएम मोदी

मीडिया से देश की सफलता की कहानियों पर काम करने का आग्रह, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता फैलाने की अपील

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार को मीडिया से देश की सफलता की कहानियों पर काम करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में पहले से ही काफी काम हो रहा है। पीएम मोदी ने भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों के लिए आयोजित 'दीवाली मिलन' कार्यक्रम में बोलते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया और विश्वास जताया कि भारत निश्चित रूप से एक विकसित देश बनेगा।

50 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'एनडीए सरकार देश से गरीबी दूर करने में सफल रही है और 50 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है।' पीएम ने कहा, 'पहले गरीबी हटाओ के नारे लगते थे, लेकिन असल में गरीबी को इस सरकार ने दूर किया है। विश्व बैंक के अनुसार, पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है।'

मीडिया से पुराना नाता

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि मीडिया के साथ उनका पुराना नाता रहा है, यहां तक कि उन दिनों से, जब वे ऐसे कार्यक्रमों में कुर्सियां लगाने का काम किया करते थे।





कार्यक्रमों में कुर्सियां लगाने का काम करता था: पीएम मोदी

नई दिल्ली

दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी मुख्यालय में गुरुवार को एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक किस्सा याद किया कि कैसे पत्रकारों ने उन्हें बताया कि वह गुजरात के मुख्यमंत्री बन गए हैं और उनसे मिठाइयां बांटने के लिए कहा। पत्रकारों के लिए आयोजित बीजेपी के दीवाली मिलन कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब पत्रकार उनके कमरे में आए और उनसे कहा, "अब आप गुजरात के सीएम बन गए हैं, मिठाई खिलाइए।" तब तक पार्टी के केवल कुछ वरिष्ठ नेताओं को ही इस बारे में पता था।



मीडिया से जुड़ाव को किया याद

पीएम ने कहा, 'मैंने मीडिया के साथ काम किया है और इसे प्रेस रिलीज के दौर से लेकर इंस्टाग्राम रील्स के दौर तक विकसित होते देखा है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं भारतीय मीडिया से देश की सफलता की कहानियों पर काम करने का अनुरोध करता हूं।

मीडिया के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने प्रेस रिलीज के दौर से लेकर आज के इंस्टाग्राम रील्स के युग तक मीडिया को बदलते देखा है। उन्होंने अपने शुरूआती दिनों को भी याद किया, जब वह ऐसे ही कार्यक्रमों में कुर्सियां लगाने का काम किया करते थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने में मीडिया ने अहम भूमिका निभाई है और साथ ही जोड़ा कि पत्रकारिता में कुछ भी असंभव नहीं है।

"देश ने आज अपने लक्ष्यों को समयसीमा में बांध दिया"

प्रधानमंत्री ने कहा कि मीडिया जगत में समाचार भेजने और प्रसारित करने की समयसीमा का उदाहरण दिया। इसके माध्यम से उन्होंने कहा कि व्यक्ति, संस्था और देश पर भी समयसीमा लागू होती है। इसी को देखते हुए देश ने आज अपने लक्ष्यों को समयसीमा में बांध दिया है। 2047 तक हमें देश को विकसित बनाना है। उनका मानना है कि इसे पाना मुश्किल नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लक्ष्यों को पूरा करने का समय तय करने से काम की प्राथमिकता, तरीका और रफ्तार बदल जाती है। आजादी के संघर्ष का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि शुरूआत में छोटे लक्ष्यों से आगे बढ़ा जाता है। इन छोटे-छोटे लक्ष्यों को पूरा कर आज देश विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है। इस दौरान उन्होंने पिछले 12 सालों में उनकी सरकार की उपलब्धियां गिनाई और कहा कि अगर देश 12 साल के अंदर 50 करोड़ से अधिक लोगों का अत्यंत गरीबी की से बाहर निकाल सकता है तो 20 सालों में देश विकसित बनाना कठिन कार्य नहीं है।



आज कर्नाटक और गुजरात दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, परियोजनाओं की देंगे सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 और 14 नवंबर को कर्नाटक तथा गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह बेंगलुरु मेट्रो के नए चरण को हरी झंडी दिखाएंगे और कर्नाटक में 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे।

प्रधानमंत्री 13 नवंबर को बेंगलुरु में प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद तावरेकेरे से आइआइएम बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो यात्रा करेंगे।

वह मैसुरु में भारत वन में पौधारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेने के साथ कासमास-मैसुरु तारामंडल का उद्घाटन भी करेंगे। पीएम मोदी मंगलुरु में 850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसकी क्षमता 80 हजार मीट्रिक टन है। इसके अलावा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित चार रेलवे स्टेशनों- चामराजनगर, चिकमगलूर, सकलेशपुर और सुब्रह्मण्य रोड का उद्घाटन करेंगे।

गोयल का वैश्विक निवेशकों से आग्रह- भारत को बनाएं अपना निवेश ठिकाना



नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को वैश्विक निवेशकों से भारत को अपना अगला निवेश का ठिकाना बनाने का आग्रह किया। उन्होंने वैश्विक निवेशकों से भारत में निवेश करने और उद्योगों से गुणवत्ता एवं टिकाऊपन पर ध्यान देने का आग्रह करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत निवेश के लिए एक सुरक्षित गंतव्य है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दो दिवसीय 31वें कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) साझेदारी सम्मेलन में पहले दिन संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक हिन्दी पिक्चर के चर्चित डॉयलाग का उल्लेख करते हुए कहा कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा? एक समय पूरा देश यही सवाल पूछ रहा था। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक व्यापार में साझेदार एक अलग ही सवाल पूछ रहे हैं कि हम किस पर भरोसा कर सकते हैं? इसका जवाब है-भारत। एक ऐसा साझेदार, जो अपनी बात का पक्का है। एक ऐसा साझेदार जो कभी पीठ में छुरा नहीं घोंपेगा।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने व्यापारिक साझेदारों से भी भारत में कारोबारी अवसर को तलाशने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत में कई क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं। गोयल ने कहा कि कारखानों, होटल और डेटा केंद्रों में निवेश करें क्योंकि भारत एक सुरक्षित गंतव्य है।

वायु सेना कमांडर कामिकेज ड्रोन ऑपरेशंस के लिए हमेशा तैयार रहें : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/एजेंसी

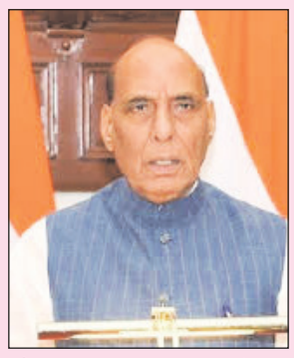
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेनाओं से आग्रह किया कि वे एलीमेंट ऑफ सरप्राइज को मजबूत बनाए रखें, ताकि तेजी से हो रही टेक्नोलॉजी में तरक्की और मॉडर्न युद्ध की बदलती प्रकृति से पैदा होने वाले पारंपरिक और नए खतरों के खिलाफ ऑपरेशनल तैयारी बनी रहे। उन्होंने इंटेलिजेंस और सर्विलांस क्षमताओं को लगातार मजबूत करने, सिस्टम के बीच इंटीग्रेशन बढ़ाने और संभावित खतरों को सामने आने से पहले पहचानने की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही ऑपरेशन, एडमिनिस्ट्रेशन और एयरोस्पेस सुरक्षा के लिए विकसित एआई एप्लिकेशन भी लॉन्च किए।



नई दिल्ली में एयरफोर्स कमांडर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने निगरानी और काउंटर-ड्रोन अभियानों को लेकर उच्चस्तर की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी डिफेंस फोर्स को ऐसी काबिलियत और तरीके बनाने चाहिए, जिनसे दुश्मन को रिएक्ट करने या संभलने का समय ही न मिले और यह भी पक्का करना चाहिए कि दुश्मन की किसी अचानक हरकत से हम कभी हैरान न हों।

"ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम मॉडर्न लड़ाई के जरूरी हिस्से बनकर उभरे"

सरप्राइज कई तरह से हो सकता है, पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह से। हमारे इंटेलिजेंस और सर्विलांस सिस्टम को और मजबूत करना होगा और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाना होगा ताकि यह पक्का हो सके कि हमारे लोग किसी भी नई चुनौती का असरदार तरीके से जवाब देने के लिए अलर्ट, फुर्तीले और तैयार रहें। राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल की लड़ाइयां पारंपरिक लड़ाई के मैदानों से आगे बढ़कर नॉन-कॉन्टैक्ट डोमेन तक फैल रही हैं, जिसमें मिसाइल, ड्रोन और एडवांस्ड वेपन सिस्टम अहम भूमिका निभा रहे हैं। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास लड़ाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम मॉडर्न लड़ाई के जरूरी हिस्से बनकर उभरे हैं। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना से इलेक्ट्रॉनिक, साइबर और स्पेस समेत लड़ाई के नए डोमेन के लिए खास सिद्धांत और आर्किटेक्चर बनाने को कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन डोमेन में बेहतर तैयारी से भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता मजबूत होगी।



बल्कि टेक्नोलॉजी की सोफिस्टिकेशन, जवाब देने की स्पीड और तैयारी की सटीकता पर भी निर्भर करेगी। उन्होंने कमांडरों से इन नई चुनौतियों को मुख्य प्राथमिकता बनाने और ऑपरेशनल में शामिल करने पर ध्यान देने को कहा।

महंगाई का झटका: अक्तूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 6.09 फीसदी

नई दिल्ली/एजेंसी

देश में महंगाई ने एक बार फिर आम आदमी को झटका दिया है। अक्तूबर महीने में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 6.09 फीसदी पर पहुंच गई है। यह भारतीय रिजर्व बैंक की तय ऊपरी सहिष्णुता सीमा को पार कर गई है। यह वृद्धि दो साल में पहली बार हुई है, जब मुद्रास्फीति ने केंद्रीय बैंक की निर्धारित सीमा का उल्लंघन किया है। इस आंकड़े से अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। खुदरा मुद्रास्फीति का बढ़ना सीधे तौर पर उपभोक्ताओं की जेब पर असर डालता है। इससे रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपाय करता है। यह आंकड़ा भविष्य की मौद्रिक नीतियों को प्रभावित कर सकता है।



क्या है भारतीय रिजर्व बैंक की ऊपरी सहिष्णुता सीमा?

भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति के लिए एक निश्चित सीमा तय की है। यह सीमा अर्थव्यवस्था में मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए निर्धारित की जाती है। अक्तूबर की 6.09 फीसदी की दर इस निर्धारित सीमा से अधिक है। यह स्थिति केंद्रीय बैंक के लिए चुनौती पेश करती है। सरकार ने केंद्रीय बैंक को महंगाई दर चार से छह प्रतिशत के बीच रखने का लक्ष्य दिया है।

लगातार महंगाई बढ़ने त्योहारी सीजन में आम आदमी की रसोई के बजट पर बड़ा बोझ पड़ा है। खाने-पीने की जरूरी चीजों, विशेष रूप से सब्जियों और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफे के कारण देश में खुदरा महंगाई बेकाबू हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (ट्ब्रूरढक) की ओर से गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 6.09 फीसदी दर्ज की गई।

'एडल्ट महिलाओं को बिना किसी दबाव के जीवनसाथी चुनने का अधिकार'

मुंबई/एजेंसी

बॉम्बे हाई कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि एक बालिग महिला को अपना जीवनसाथी चुनने की पूरी आजादी है, चाहे उसका धर्म, जाति या आस्था कुछ भी हो। हाई कोर्ट ने 21 वर्षीय हिंदू महिला को राहत देते हुए यह बात कही, जिसने एक मुस्लिम पुरुष से शादी की थी और अपने परिवार से मिल रही धमकियों के चलते पुलिस सुरक्षा की मांग की थी।

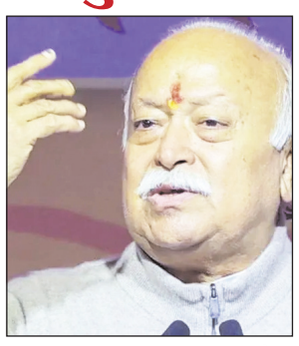
'वयस्क महिला को जीवनसाथी चुनने का पूरा अधिकार'

जस्टिस अद्वैत एम. सेठना और जस्टिस रंजीतसिंह राजा भोंसले की वेकेशन बेंच एक महिला की दायर की गई आपराधिक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। महिला ने अपने पति के साथ रहने के लिए सुरक्षा की मांग करते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। महिला ने कोर्ट को बताया कि वह पिछले चार-पांच सालों से 21 वर्षीय मुस्लिम पुरुष के साथ रिश्ते में थी और दोनों परिवारों को उनके रिश्ते के बारे में पता था। इस जोड़े ने 19 अक्टूबर, 2026 को शादी कर ली, जिसके बाद उन्होंने सुरक्षा के लिए पुलिस से संपर्क किया।

भारत के पारंपरिक ज्ञान में छिपा विकास का रास्ता: संघ प्रमुख मोहन भागवत

नागपुर/एजेंसी

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि भारत अपने पारंपरिक ज्ञान और अनुभव का उपयोग करके दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे सकता है, जो समाधान के लिए लगातार भारत की ओर देख रही है। भागवत ने कहा, 'हम प्रकृति के मालिक नहीं हैं हम इसका एक हिस्सा हैं।' उन्होंने मानव जीवन, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच तालमेल बिठाने की जरूरत पर जोर दिया। वे नागपुर जिले के रामटेक में 'दत्ता मेघे फाउंडेशन' के पशु चिकित्सा और कृषि कॉलेज के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।



भागवत ने क्या कहा?

भागवत ने कहा कि मानव कल्याण के लिए जैव विविधता, पारिस्थितिकी, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी हैं। उन्होंने ऐसी जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया, जिसमें केवल अपने ही नहीं, बल्कि सभी के भले का ध्यान रखा जाए। 'जीवन के प्रति हमारा नजरिया ऐसा होना चाहिए जिसमें सिर्फ 'मेरे' जीवन की नहीं, बल्कि 'सबके' जीवन की बात हो।' उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया के सामने विकास का एक नया मॉडल पेश करना चाहिए, जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण और आत्मनिर्भरता पर आधारित हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान, जानवर और प्रकृति सब आपस में जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया समाधान के लिए तेजी से भारत की ओर देख रही है।' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इंसानों, जानवरों और पर्यावरण की भलाई सुनिश्चित करने के लिए लोगों को संयम बरतना चाहिए और विकास के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। सफलता या प्रसिद्धि मिलने के बाद लोगों को अहंकारी नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें उन लोगों को याद रखना चाहिए जो पीछे छूट गए हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों को भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद

चुराचांदपुर: मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सुरक्षा बलों ने हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। इनमें लगभग 10 फुट लंबा एक रॉकेट, चीन में बने चार मोर्टार और छह इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (क्एऊ) शामिल हैं। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। यह बरामदगी बुधवार को कांगवई सब-डिवीजन के तहत आने वाले 'पी गेलजांग' गांव के आसपास के जंगली इलाके में, जिला पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम द्वारा चलाए गए ऑपरेशन के दौरान हुई। ऑपरेशन के दौरान, खुफिया जानकारी के आधार पर, चीन में बने चार 82 एमएम मोर्टार, लगभग 10 फुट लंबा और 80 किलोग्राम वजन वाला एक रॉकेट, छह आईईडी और चीन में बने पांच ग्रेनेड बरामद किए गए।

सैम पित्रोदा ने की पीएम मोदी की तारीफ: कहा- वह बहुत दयालु और मेहनती हैं

नई दिल्ली/एजेंसी

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें अच्छा वक्ता, मेहनती, दयालु और गर्मजोशी से मिलने वाला व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री के साथ उनका कोई व्यक्तिगत मतभेद नहीं है। उनके बीच असहमति केवल विचारधारा और दुनिया को देखने के नजरिये को लेकर है।" पित्रोदा ने आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में यह बात कही। उनसे कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की उस टिप्पणी के बारे में पूछा गया था, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अच्छा वक्ता बताया था। इस पर पित्रोदा ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी का एक व्यक्ति के तौर पर सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी उनके गुजराती मित्र हैं और वह उनसे मिल चुके हैं।



उनकी पत्नी और वह भी प्रधानमंत्री से मिल चुके हैं।

पित्रोदा ने कहा, "वह व्यक्तिगत तौर पर मेरे प्रति बहुत गर्मजोशी से पेश आए हैं। वह बहुत दयालु, स्नेही और ख्याल रखने वाले हैं। वह अच्छे वक्ता हैं और मेहनती भी हैं। हमारे बीच अच्छे संबंध हैं।"

विज्ञापन

'पीएम मोदी से कोई व्यक्तिगत परेशानी नहीं'

सैम पित्रोदा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को लेकर उनके मन में कोई व्यक्तिगत विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि एक गुजराती नेता, मित्र और शुभचिंतक के तौर पर उनके मन में मोदी के प्रति कोई शिकायत नहीं है। "मुझे मोदी से कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं है। मेरी ओर से उनके खिलाफ कुछ भी नहीं है। वह मेरे प्रति बहुत गर्मजोशी दिखाते हैं और मैं सराहना करता हूं।"

सैम पित्रोदा के पीएम मोदी से क्यों है मतभेद?

पित्रोदा ने साफ किया कि प्रधानमंत्री मोदी से उनकी असहमति उनके विचारों और विचारधारा को लेकर है, न कि उनके व्यक्तिगत व्यवहार को लेकर।

ऊर्जा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि, प्रदेश ने अन्य प्रदेशों को लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की बिजली विक्रय की

खैरथल-तिजारा के किसानों को अब दिन में मिल रही बिजली, 28 जिलों के किसानों तक पहुंची यह सुविधा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने 34 माह से अधिक के कार्यकाल में राजस्थान में बिजली उत्पादन और आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाया है। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और उद्योगों को पर्याप्त विद्युत सप्लाई जारी रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। राज्य सरकार के प्रयासों से अन्य प्रदेशों को लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की बिजली विक्रय की गई है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को ऊर्जा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने रबी सीजन में किसानों को दिन में दी जाने वाली बिजली आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाल ही में खैरथल-तिजारा में भी दिन में किसानों को यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। जिससे प्रदेश में अब कुल 28 जिलों के किसानों को दिन में बिजली मिल रही है तथा 13 लाख 56 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने राज्य में बैटरी ऊर्जा भण्डारण प्रणाली के क्रियान्वयन को गति प्रदान करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

बिजली के घाटे में आई कमी

उल्लेखनीय है कि बिजली में 31 मार्च 2023 को कुल घाटा 92,069 करोड़ रुपये था, जो 31 दिसंबर 2023 तक बढ़कर 98,634 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में घाटे में 6,565 की वृद्धि दर्ज की गई, जो 9 माह में 7.13 प्रतिशत रही। इसी आधार पर वार्षिक वृद्धि दर अनुमानित 9.50 प्रतिशत रहने से वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह घाटा 1 लाख 21 हजार 73 करोड़ रुपये पहुंच जाता।

ऊर्जा विभाग ने इस घाटे को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह घाटा 89,907.77 करोड़ रुपये ही रहा। ऊर्जा विभाग द्वारा वित्तीय अनुशासन के जरिए ऊर्जा क्षमताओं में निरंतर वृद्धि की जा रही है।

विद्युत छीजत घटकर 12.84 प्रतिशत हुई

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत छीजत में और अधिक कमी लाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए। वित्तीय वर्ष 2019-20 के तीनों डिस्कॉम्स में कुल विद्युत छीजत 19.43 प्रतिशत थी, जो कि सुधारात्मक कदमों से वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 12.84 प्रतिशत रह गई है। वहीं, जोधपुर डिस्कॉम्स में वित्तीय वर्ष 2019-20 विद्युत छीजत लगभग 38 प्रतिशत थी, जो कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 18.64 प्रतिशत हो गई है।

कुसुम योजना से 3 लाख 89 हजार से अधिक किसान लाभान्वित

मुख्यमंत्री ने पीएम कुसुम योजना के घटक ए व सी के और अधिक प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक घटक ए में 1,779 से अधिक मेगावाट एवं घटक सी में 3,758 से अधिक मेगावाट क्षमता स्थापित की है, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समय समान अवधि में घटक ए 9.5 मेगावाट व घटक सी शून्य क्षमता पर रहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से पीएम कुसुम योजना के घटक ए व सी में स्थापित क्षमता के आधार पर प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। इससे 3 लाख 89 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं।

नवीन स्टेट टर्मिनल भवन का भूमि पूजन समारोह

उद्योगों और पर्यटकों के लिए बेहतर परिवहन सुविधाएं हो रही विकसित

जयपुर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य हो रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के मध्य बेहतर समन्वय ने परिवहन के क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा दी है। प्रदेश में हवाई, रेल एवं सड़कों के तेज विकास से आमजन को बेहतर कनेक्टिविटी मिली है।



मुख्यमंत्री गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर नवीन स्टेट टर्मिनल भवन के भूमि पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास में परिवहन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी के मद्देनजर डबल इंजन की सरकार राजस्थान में परिवहन सुविधाओं को आधुनिक और आवागमन को अधिक सुगम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी कड़ी में नवीन स्टेट टर्मिनल भवन का भूमि पूजन हवाई सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को बेहतर एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कोटा, किशनगढ़, बाड़मेर एवं बीकानेर में हवाई संपर्क विस्तार पर कार्य किया जा रहा हैं। प्रधानमंत्री ने इसी वर्ष जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया था। इस नवीन भवन से हवाई अड्डे की क्षमता प्रतिवर्ष 12 लाख यात्रियों से बढ़कर 20 लाख यात्रियों तक पहुंच गई है। वहीं, जयपुर और कोटा के टर्मिनल भी विकसित किए जा रहे हैं। इसी प्रकार किशनगढ़ हवाई अड्डे और भीलवाड़ा में हमीरगढ हवाई पट्टी पर फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन भी शुरू हो चुके हैं। झालावाड़, सीकर, झुंझुनूं एवं श्रीगंगानगर में एफटीओ की स्थापना के लिए भूमि आवंटन और उदयपुर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 145 एकड़ भूमि उपलब्ध करवायी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार और रेलवे सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए इस वर्ष 10 हजार 228 करोड़ रुपये का बजट आवंटित हुआ है। 76 हजार 800 करोड़ रुपये से अधिक के रेलवे कार्य प्रगति पर हैं और अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत 85 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। वहीं, नेशनल हाई-स्पीड कॉरिडोर और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे से हमारा प्रदेश सबसे अधिक लाभान्वित हुआ है। प्रदेश में 1 हजार 192 किलोमीटर लम्बाई के एक्सप्रेस-वे का निर्माण हुआ है, यह देश के किसी भी अन्य राज्य से अधिक है। आज देश के एक चौथाई नेशनल एक्सप्रेस-वे राजस्थान से होकर गुजरते हैं।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में 9 नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का भी निर्माण कर रही है। कनेक्टिविटी के विकास और विस्तार का प्रमुख उद्देश्य यही है कि प्रदेश के किसान अपनी उपज मंडियों तक आसानी से पहुंचाएं और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलें। साथ ही, उद्योगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिले और पर्यटकों के लिए राज्य में सफर अधिक सुगम बने।

आधुनिकता के साथ राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत की दिखेगी झलक

मुख्यमंत्री ने बताया कि नवीन स्टेट टर्मिनल भवन परियोजना के लिए 52 करोड़ 35 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। परियोजना के पहले चरण में 19 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से स्टेट टर्मिनल भवन का निर्माण किया जा रहा है।

इस भवन में कार्यालय के साथ दो वीआईपी लाउंज, कॉन्फ्रेंस हॉल, मीटिंग हॉल, 10 विश्राम कक्ष, ट्रेनिंग कक्ष, कैफे और सुरक्षा जांच क्षेत्र जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, इस भवन में आधुनिकता के साथ राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत की झलक भी दिखेगी। परियोजना के दूसरे चरण में एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर की पार्किंग के लिए हैंगर तथा टारमेक का निर्माण किया जाएगा।

नहाय-खाय के साथ आज से शुरू हो रहा है डाला छठ महापर्व, जगह-जगह गूंजने लगे छठ गीत

जयपुर । बिहार समाज संगठन की ओर से आस्था का महापर्व डाला छठ पूजा आज से शुरू हो गया । लोकआस्था, सामाजिक समरसता, साधना, आरधना और सूयोर्पासना का महापर्व डाला छठ 13 नवंबर शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा. इसको लेकर व्रतियों के घरों में भक्ति का माहौल बन गया है. बेहद खास और अहम पर्व छठ कई मायने में खास होता है. ठंड और सूर्य की तपिश के बावजूद व्रती 36 घंटे तक उपवास रहकर भक्ति में लीन रहते हैं ।बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने कहा कि पवित्र लोक पर्व डाला छठ को लेकर तैयारी शुरू हो गई है. डाला छठ शुरू होते ही श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ नहर व जलाशयों के समीप घाट का निर्माण किया. चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व 13 नवंबर को नहाय-खाय से शुरू होगा. 14 नवंबर को व्रती दिन भर निराहार रहने के बाद शाम को खरना का अनुष्ठान पूरा करेंगे. इसके बाद 36 घंटे का निराहार निर्जला आरंभ हो जायेगा. 15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जायेगा.

16 नवंबर सोमवार की सुबह व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे. इसके साथ ही लोकआस्था का महापर्व डाला छठ का समापन हो जायेगा । राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन शर्मा ने बताया कि व्रत को देखते हुए इसकी तैयारी भी शुरू कर दी गई है. व्रत वाले घरों में विशेष शुद्धता बरती जा रही है. स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. छठ घाटों की साफ-सफाई शुरू हो चुकी है. वहीं छठ पूजा के लिए सूप , दउरा, मिट्टी के दीये, हाथीदान के साथ मौसमी फल और लौकी की खरीदारी शुरू हो गयी है.

यह इकलौता पर्व है, जिसके केन्द्र में कृषि, मिट्टी और किसान हैं. धरती से उपजी हुई हर फसल और हर फल-सब्जी इसका प्रसाद है. मिट्टी से बने चूल्हे पर और मिट्टी के बर्तन में नहाय-खाय, खरना और पूजा का हर प्रसाद बनाया जाता है. बांस से बने सूप में पूजन सामग्री रखकर अर्घ्य दिया जाता है. बांस का बना सूप, दौरा, टोकरी, मउनी तथा मिट्टी से बना दीप, चौमुखा व पंचमुखी दीया और कंद-मूल व फल जैसे ईख, सेव, केला, संतरा, नींबू, नारियल, अदरक, हल्दी, सूथनी, पानी फल सिंघाड़ा , चना, चावल (अक्षत), ठेकुआ इत्यादि छठ पूजा की सामग्री प्रकृति से जोड़ती है।

समाज के राष्ट्रीय महामंत्री चंदन कुमार मंडल ने बताया कि छठ महापर्व महिलाओं के अस्तित्व को भी सम्मानित करता है।

पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण के लिए 13 नवंबर को अंतिम प्रशिक्षण के बाद रवाना होंगे मतदान दल

जयपुर, पंचायतीराज आम चुनाव के तहत जयपुर जिले में चतुर्थ चरण के मतदान की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। चतुर्थ चरण के लिए शुक्रवार, 13 नवंबर को मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी परिसर से संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना होंगे।

मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण प्रातः 9.00 बजे से रहेगा। इस दौरान मतदान दलों को मतदान प्रक्रिया, ईवीएम के संचालन, बैलेट पेपर तथा निर्वाचन संबंधी आवश्यक दिशा-निदेर्शों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के पश्चात मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा। मतदान दलों की सुविधा के लिए वाहन पार्किंग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि चतुर्थ चरण के तहत जयपुर जिले की चार पंचायत समितियों बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य तथा पंच-सरपंच पदों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। इस चरण में कुल 140 ग्राम पंचायतों के 446 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

इनमें पंचायत समिति बस्सी की 42 ग्राम पंचायतों के लिए 145 मतदान केंद्र, तूंगा की 24 ग्राम पंचायतों के लिए 74 मतदान केंद्र, जमवारामगढ़ की 42 ग्राम पंचायतों के लिए 129 मतदान केंद्र तथा आंधी की 32 ग्राम पंचायतों के लिए 98 मतदान केंद्र निर्धारित हैं।

अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड से नवाजे जाएंगे खैरथल-तिजारा जिला अग्रवाल संस्थान के डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता

खैरथलः अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन द्वारा आयोजित होने वाले अग्र अलंकरण समारोह में खैरथल-तिजारा जिला अग्रवाल संस्थान के जिलाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता को प्रतिष्ठित ह्य अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया जाएगा।

इस गरिमामयी सम्मान को प्राप्त करने के लिए डॉ. गुप्ता दिल्ली पहुंचेंगे।

?आगामी 14 नवंबर को नई दिल्ली के जनपथ स्थित अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में यह भव्य अलंकरण समारोह आयोजित किया जाएगा। परम पूज्य महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित इस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के चेयरमैन प्रदीप मित्तल और राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल ने डॉ. गुप्ता को पत्र जारी कर इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए सूचित किया।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक सिंघानिया ने बताया कि ?संगठन द्वारा समाजसेवा,



शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को यह सम्मान दिया जा रहा है।

डॉ.शैलेन्द्र गुप्ता द्वारा खैरथल-तिजारा जिले में समाजसेवा, चिकित्सा सेवा और संगठन के हित में किए गए निरंतर उत्कृष्ट कार्यों एवं उल्लेखनीय सेवाओं को देखते हुए उनका चयन इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए किया गया है।

डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता के चयन की सूचना मिलने पर जिले के अग्र बंधुओं और अन्य सामाजिक संस्थाओं ने जिनमें प्रमोद सिंघानिया, विनोद अग्रवाल, मनीष गर्ग, ओमप्रकाश मंगल, अशोक डाटा, पार्षद प्रहलाद चंगानी और फतह मोहम्मद, नरेश गर्ग, सुरेश कुमार, ओमप्रकाश गोयल पाटन वाले, पूरण गर्ग, सुभाष गोयल, दिनेश गोयल, ललित सिंघानिया, रूपेश गुप्ता, घनश्याम गोयल, वरुण डाटा, नीलम गुप्ता, प्रहलाद गोयल, अभिषेक गोयल, एडवोकेट भानु अग्रवाल, अनीश मंगला, अमित अग्रवाल तिजारा, टीटू गर्ग टपूकड़ा, राजू गोयल, मनोज गुप्ता, भिवाड़ी, परमानंद अग्रवाल, सतीश अग्रवाल कोटकासिम, देवेंद्र मोदी, ज्ञान मोदी, राकेश मोदी हरसौली, राजेंद्र अग्रवाल पुर, सतीश सिंघल, संदीप अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, किशनगढ़ बास आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की हैं।

बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की मुख्य सचिव ने की समीक्षा, कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने पर दिया जोर

जयपुर, मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं (Externally Aided Projects-EAP) की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, व्यय की स्थिति, ऋण एवं प्रतिपूर्ति तथा परियोजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में 7 वित्तपोषण एजेंसियों के सहयोग से 6 विभागों की 12 बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएं संचालित हैं। इनकी कुल परियोजना लागत लगभग 31,555 करोड़ रुपये तथा ऋण राशि लगभग 19,036 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त 5 विभागों की 6 नई परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 25,602 करोड़ रुपये प्रस्तावित है। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं एवं लंबित प्रकरणों का संबंधित विभाग आपसी समन्वय से शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही परियोजनाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्ययोजना के अनुरूप प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए।

बैठक में स्थानीय स्वायत्त शासन विभाग की राजस्थान अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम, राजस्थान सेकेंडरी टाउन्स डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, राजस्थान अर्बन लाइवबिलिटी इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट एवं सस्टेनेबल अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन इन राजस्थान परियोजनाओं की समीक्षा की गई। जल संसाधन विभाग की जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना, मरुस्थलीय क्षेत्रों के लिए जल क्षेत्र पुनर्गठन परियोजना एवं बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना की प्रगति पर भी चर्चा हुई।

इसी प्रकार वन विभाग की राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के संवर्धन से संबंधित परियोजनाओं, सार्वजनिक निर्माण विभाग की राज्य राजमार्ग निवेश एवं राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ग्रामीण पेयजल आपूर्ति एवं फ्लोरोसिस शमन परियोजना की समीक्षा की गई। ऊर्जा विभाग की ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर परियोजना तथा जयपुर मेट्रो रेल परियोजना फेज-4क्क की प्रस्तावित प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

राजस्व अर्जन के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभाग प्रभावी कार्ययोजना बनाकर करें कार्यवाही - मुख्य सचिव

जयपुर, मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में वित्त (राजस्व) विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 में अक्टूबर माह तक राज्य की राजस्व प्राप्तियों की प्रगति की समीक्षा की गई।



मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति को और सुदृढ़ बनाने के लिए सभी विभाग राजस्व अर्जन के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करें। प्रत्येक विभाग नियमित समीक्षा करे तथा राजस्व के नए स्त्रोतों की पहचान कर अतिरिक्त राजस्व अर्जन की कार्ययोजना तैयार करे। राजस्व संग्रहण में कमी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर विशेष निगरानी की जाए।

उन्होंने राजस्व रिसाव की रोकथाम, कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण तथा बकाया राजस्व वसूली को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा एनालिटिक्स का अधिकाधिक उपयोग कर संग्रहण प्रक्रिया को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने तथा विभागों के बीच डेटा साझा करने एवं समन्वय मजबूत करने पर बल दिया।

बैठक में बताया गया कि अक्टूबर 2026 तक राज्य को कुल 81,606 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो गत वर्ष की समान अवधि के 72,734 करोड़ रुपये से 12.20 प्रतिशत अधिक है। निर्धारित आनुपातिक लक्ष्य 1,08,442 करोड़ रुपये के विरुद्ध 75.25 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की गई है।

जीएसटी से 27,687 करोड़, वैट से 16,346 करोड़, आबकारी से 10,075 करोड़, पंजीयन एवं मुद्रांक से 8,782 करोड़ तथा खान विभाग से 5,889 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ।

आस्था, विश्वास और समर्पण का महापर्व छठ आज से शुरू, देश-विदेश में गूंजेगी छठी मैया की महिमा

जित मुंबईः लोक आस्था, पवित्रता, त्याग और अटूट विश्वास का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व छठ आज से नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। इस महापर्व की रौनक बिहार और उत्तर प्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों तक देखने को मिलेगी। महाराष्ट्र में भी छठ पूजा को लेकर विशेष उत्साह है। अमरावती, मुंबई, जुहू और नासिक के पंचवटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ छठी मैया एवं भगवान सूर्य की आराधना करेंगे।छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि



भारतीय संस्कृति, प्रकृति के प्रति सम्मान, पारिवारिक सुख-समृद्धि और लोक परंपराओं का अद्भुत संगम है। इस पर्व में व्रती लगभग 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और परिवार की सुख-शांति के लिए भगवान सूर्य एवं छठी मैया की आराधना करते हैं।

नहाय-खाय से शुरू होगा चार दिवसीय अनुष्ठान

महापर्व की शुरूआत आज नहाय-खाय से होगी। इस दिन व्रती पवित्र स्नान कर शुद्धता और सात्विकता के साथ भोजन ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन खरना का प्रसाद तैयार किया जाएगा। इसके बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू करेंगे। तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को नदी, तालाब और सरोवरों के घाटों पर पहुंचकर पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा।

वहीं चौथे और अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस महापर्व का विधिवत समापन होगा।

बठिंडा पुलिस की लोगों को ड्रग्स के दलदल से निकालकर नई ज़िंदगी देने की लगातार कोशिशें

बठिंडा नशा मुक्ति अभियान 'वॉर ऑन ड्रग्स' के तहत 01 अक्टूबर 2026 से 11 नवंबर 2026 तक 1,082 लोगों को इलाज और दवा दी गई।

'वॉर ऑन ड्रग्स' अभियान के तहत, श्री सुहैल कासिम मीर (IPS) SSP बठिंडा, बठिंडा पुलिस द्वारा जहां ड्रग तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, वहीं नशे के आदी लोगों को इस बुरी आदत से बाहर निकालकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी लगातार कोशिशें की जा रही हैं।

इस दिशा में, बठिंडा पुलिस के ढउफ कर्मचारी ड्रग मुक्ति अभियान के तहत ग्राउंड लेवल पर अहम भूमिका निभा रहे हैं। 01 अक्टूबर 2026 से 11 नवंबर 2026 तक नशे की लत से जूझ रहे लोगों की पहचान करने और उन्हें इलाज और दवा देने के लिए पुलिस कर्मचारियों द्वारा की गई कोशिशों के नतीजे इस तरह हैं:

कैंपेन के तहत बठिंडा पुलिस की उपलब्धियां:

1. 231 लोगों को नशा मुक्ति केंद्रों में भर्ती कराया गया।
2. 33 लोगों को इलाज कार्ड दिए गए।
3. 818 लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से दवाइयां दी गईं।

इस तरह, इस दौरान कुल



1,082 लोगों को नशा मुक्ति में मदद दी गई।

बठिंडा पुलिस का यह प्रदर्शन सिर्फ. आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन 1,082 लोगों और उनके परिवारों से जुड़ी उम्मीद की निशानी है। नशा सिर्फ. एक इंसान की ज़िंदगी पर ही असर नहीं डालता, बल्कि पूरे परिवार को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से भी प्रभावित करता है। ऐसे में, नशे की लत के शिकार लोगों को इलाज देने के लिए पुलिस कर्मचारियों द्वारा की जा रही कोशिशें कई परिवारों के लिए नई उम्मीद बन रही हैं। बठिंडा पुलिस का मानना ??है कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई सिर्फ ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नशे की लत के शिकार लोगों को इलाज देना और उन्हें फिर से एक स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम बनाना भी इस अभियान का एक अहम हिस्सा है।

बठिंडा पुलिस आम जनता से अपील करती है कि वे नशे की लत के शिकार लोगों को नफरत या तिरस्कार की नजर से देखने के बजाय, उन्हें इलाज के लिए प्रेरित करें और नशा मुक्त समाज बनाने में पुलिस का साथ दें।

बठिंडा पुलिस का संकल्प है - ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ, नशे की लत के शिकार हर व्यक्ति को इलाज, मदद और एक नई जिंदगी की ओर बढ़ने का मौका देना।

एसएएससीआई योजना के तहत प्रदेश को चालू वित्त वर्ष में लगभग 11,556 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलने की संभावना

जयपुर, मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट (SASCI) योजना के अंतर्गत प्रदेश में संचालित परियोजनाओं एवं विभिन्न सुधार कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में बताया गया कि भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत राज्यों को पूंजीगत निवेश को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों के लिए 50 वर्षों के ब्याज मुक्त ऋण के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना के सातवें वर्ष में राजस्थान को वर्ष 2025-26 में 10,547.88 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं तथा चालू वित्त वर्ष 2026-27 में लगभग 11,556 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलने की संभावना है।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग स्वीकृत परियोजनाओं में व्यय की गति बढ़ाएं तथा निर्धारित समय-सीमा में उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत दूसरी एवं आगामी किस्तों की राशि प्राप्त करने के लिए आवश्यक वित्तीय एवं प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं समय पर पूरी की जाएं। जिन विभागों का पूंजीगत व्यय अपेक्षाकृत कम है, वे कार्यों में तेजी लाकर लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के राज्यांश से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित केंद्रीय सहायता एवं मदर सैक्शन के लिए केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों से प्रभावी समन्वय करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जल संसाधन एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग स्वीकृत परियोजनाओं में व्यय की गति बढ़ाएं, ताकि आगामी किस्त की राशि समय पर प्राप्त की जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने साईपुरा के मतदान केंद्र एवं आंधी के संग्रहण केंद्र का किया निरीक्षण

चुनाव तैयारियों की समीक्षा कर संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने तथा स्ट्रांग रूम सहित अन्य व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश



जयपुर, पंचायतीराज आम चुनाव के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक एवं पुलिस अधीक्षक, जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद मीना ने गुरुवार को पंचायत समिति जमवारामगढ़ एवं पंचायत समिति आंधी में चुनावी तैयारियों तथा कानून-व्यवस्था की समीक्षा की।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने ग्राम पंचायत साईपुरा के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात उपखंड अधिकारी कार्यालय, जमवारामगढ़ में रिटर्निंग अधिकारी जमवारामगढ़, रिटर्निंग अधिकारी आंधी, पुलिस अधिकारियों, विकास अधिकारी जमवारामगढ़ एवं आंधी तथा तहसीलदार जमवारामगढ़ एवं आंधी के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव तैयारियों, मतदान दलों के प्रशिक्षण एवं रवानगी, मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करें। मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं तथा संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। उन्होंने आदर्श आचार संहिता एवं राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के साथ ही असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

बैठक के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने पंचायत समिति आंधी के संग्रहण केंद्र पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय, आंधी का भी निरीक्षण किया। यहां मतदान के उपरांत ईवीएम एवं मतदान सामग्री का संग्रहण किया जाएगा। उन्होंने संग्रहण केंद्र पर स्ट्रांग रूम, काउंटर, सुरक्षा, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा ईवीएम की सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक नहीं होने देने के निर्देश दिए।

इस दौरान रिटर्निंग अधिकारी जमवारामगढ़ ओम प्रकाश मीणा, रिटर्निंग अधिकारी आंधी सुप्रिया कालेर, पुलिस उपाधीक्षक जमवारामगढ़ राम किशन विश्नोई, विकास अधिकारी जमवारामगढ़ एवं आंधी तथा तहसीलदार जमवारामगढ़ एवं आंधी उपस्थित रहे।

गोविंदगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: गूगल पर सोलर प्लांट सर्च कर चोरी करने वाले दो शातिर नकबजन व कबाड़ी गिरफ्तार, 50 किलो कॉपर बरामद





जयपुर (ग्रामीण) / गोविंदगढ़। गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने मण्डा-भीण्डा रिको स्थित फैक्ट्री में हुई बड़ी नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए फरार चल रहे दो शातिर आरोपियों और चोरी का माल खरीदने वाले एक कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 50 किलोग्राम चोरी का कॉपर (तांबा) बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने राज्य के विभिन्न जिलों में करीब 50 से 60 चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

गूगल पर सर्च कर बनाते थे सोलर प्लांट्स को निशाना

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद (आईपीएस) ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ट्रांसफार्मर और सोलर प्लांट से प्लेट व कॉपर वायर चोरी करने के शातिर अपराधी हैं। इनका तरीका बेहद हाईटेक था–ये दिन में गूगल मैप पर बड़े सोलर प्लांट्स सर्च करते थे और रात के अंधेरे में वहां धावा बोलकर कीमती कॉपर वायर व उपकरण चुरा ले जाते थे।

यह था पूरा मामला

परिवादी अमन कुमार रावत (मैनेजर, वर्धमान कोर फैक्ट्री, मण्डा रिको) ने 22 मई 2026 को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 21 मई की रात अज्ञात चोर फैक्ट्री से करीब 1200 किलोग्राम कॉपर चुरा ले गए। इस मामले में पुलिस पूर्व में राजेश बावरिया, ओमप्रकाश उर्फ लाल बावरिया और कबाड़ी हसन उर्फ महमूद को गिरफ्तार कर 125 किलो कॉपर व वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो कार जब्त कर चुकी है।

तकनीकी सहायता से पकड़े गए शेष आरोपी

मामले में फरार चल रहे शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) नीरज पाठक व वृत्ताधिकारी गोविंदगढ़ शिवा शर्मा के सुपरविजन तथा थानाधिकारी विनोद सांखला के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने आसूचना संकलन और तकनीकी सहायता से जयपुर में दबिश देकर मुख्य आरोपी कानू उर्फ कानाराम उर्फ तोल्या (22) निवासी निवाई (टोंक) और राजेन्द्र उर्फ शंकर बावरिया (19) निवासी हरिपुरा, नरेना (जयपुर) को गिरफ्तार किया।

चोरी का माल खरीदने वाला कबाड़ी भी गिरफ्तार

पूछताछ में आरोपियों ने चोरी का कॉपर चौमूं निवासी कबाड़ी असलम (21) को बेचना स्वीकार किया। इस पर पुलिस ने जोगियों का मोहल्ला, चौमूं से कबाड़ी असलम को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 किलोग्राम कॉपर बरामद किया।

?इन प्रमुख स्थानों पर कबूली सोलर प्लांट चोरी की वारदातें

आरोपियों ने पूछताछ में चौमूं (रींगस रोड स्थित दो प्लांट), सामोद, जोबनेर, कालवाड़, कालाडेरा (घिनोई-बिहारीपुरा), रेनवाल-दांतारामगढ़ रोड, निवाई (टोंक), जीणमाता डूंगर, पलसाना, नावां और लक्ष्मणगढ़/बलारा (सीकर) सहित कुल 13 स्थानों पर सोलर प्लांट्स से चोरी करना कबूल किया है।

?कार्रवाई करने वाली टीमः

इस सफल कार्रवाई में गोविंदगढ़ थानाधिकारी विनोद सांखला, सउनि सोहन सिंह, कांस्टेबल भारतभूषण, देशराज, गौरीशंकर और राकेश कुमार की मुख्य भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं वन राज्यमंत्री ने स्व. डॉ.जसवंत सिंह यादव के चित्र पर श्रृद्धासुमन अर्पित कर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी





जयपुर, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा तथा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने बहरोड़ विधायक एवं पूर्व मंत्री दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव के निधन पर उनके अलवर स्थित आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर श्रृद्धासुमन अर्पित कर भावभानी श्रृद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतृप्त परिवारजनों का ढाढस बंधाया।

इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद डॉ. महेश शर्मा, रामगढ विधायक श्री सुखवंत सिंह, किशनगढ़बास से विधायक श्री दीपचंद खैरिया, महेंद्रगढ़ विधायक श्री कंवर सिंह यादव एवं हरियाणा विधानसभा की पूर्व डिप्टी स्पीकर श्रीमती संतोष यादव ने भी दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव को श्रृद्धासुमन अर्पित कर भावभानी श्रृद्धांजलि अर्पित की।

डीएम ने पीपरपुर में कराई धान की क्रॉप कटिंग, 43.3 वर्गमीटर में 23.840 किलो उत्पादन

औरैया, उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने गुरुवार को तहसील औरैया के राजस्व ग्राम पीपरपुर में धान की फसल की उत्पादकता का आकलन करने के लिए क्रॉप कटिंग कराई। उन्होंने कृषक प्रकाश चन्द्र पुत्र राजनरायन के खेत में अपनी मौजूदगी में निर्धारित 43.3 वर्गमीटर क्षेत्रफल में धान की कटाई कराई। इसमें 23.840 किलोग्राम धान का उत्पादन प्राप्त हुआ।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को फसल क्षति होने पर क्षतिपूर्ति देने में क्रॉप कटिंग के आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन आंकड़ों के आधार पर फसल की वास्तविक उत्पादकता का आकलन किया जाता है और बीमित किसानों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति निर्धारित करने में मदद मिलती है।

इस दौरान डीएम ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं और कृषि संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से अपनी उपज निर्धारित सरकारी धान क्रय केंद्रों पर ही बेचने की अपील की, ताकि उन्हें शासन की ओर से निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिल सके।

उन्होंने किसानों को फसल अवशेष (पराली) न जलाने के लिए भी जागरूक किया। कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

इस मौके पर उप जिलाधिकारी सदर बृहमानंद, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल सहित संबंधित अधिकारी और किसान मौजूद रहे।

जयपुर जिले की एकीकृत मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशित, जिले में 45 लाख 33 हजार 470 मतदाता

झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 4 लाख 21 हजार 209 मतदाता पंजीकृत

जयपुर, भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गुरुवार को जयपुर जिले की एकीकृत मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन किया गया। प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार जयपुर जिले में कुल 45 लाख 33 हजार 470 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 23 लाख 50 हजार 709 पुरुष, 21 लाख 82 हजार 680 महिला एवं 81 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्हें विधानसभा स्तर पर प्रारूप मतदाता सूची की एक-एक प्रति हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराने के संबंध में अवगत कराया गया। प्रारूप मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की वेबसाइट http://election.rajasthan.gov.in ल पर भी ऑनलाइन उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्रवार प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार शाहपुरा में 2 लाख 39 हजार 448, चौमूं में 2 लाख 58 हजार 323, फुलेरा में 2 लाख 66 हजार 605, दूदू में 2 लाख 55 हजार 187, झोटवाड़ा में 4 लाख 21 हजार 209, आमेर में 2 लाख 95 हजार 856, जमवारामगढ़ में 2 लाख 31 हजार 651, हवामहल में 2 लाख 46 हजार 317, विद्याधर नगर में 3 लाख 25 हजार 379, सिविल लाइंस में 2 लाख 8 हजार 912, किशनपोल में 1 लाख 77 हजार 319, आदर्श नगर में 2 लाख 41 हजार 188, मालवीय नगर में 1 लाख 98 हजार 321, सांगानेर में 3 लाख 34 हजार 389, बगरू में 3 लाख 52 हजार 999, बस्सी में 2 लाख 42 हजार 655 तथा चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 37 हजार 712 मतदाता पंजीकृत हैं।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करवाने, किसी नाम पर आपत्ति दर्ज करवाने अथवा वर्तमान प्रविष्टियों में संशोधन करवाने के लिए 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकती हैं। इसके लिए नियमानुसार प्रपत्र 6, 7 एवं 8 में से जो भी प्रपत्र उपयुक्त हो, उसमें आवेदन किया जा सकता है। आवेदक ये आवेदन ऑनलाइन माध्यम से वोटर सर्विस पोर्टल अथवा ECINET ऐप के जरिए, संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में अथवा बूथ लेवल अधिकारी (BLO) को प्रस्तुत कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्राप्त दावे एवं आपत्तियों की सूची प्रत्येक सप्ताह निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी द्वारा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाएगी।

साथ ही उक्त सूचियां निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी कार्यालय के नोटिस बोर्ड एवं संबंधित मतदान केंद्रों पर भी चस्पा करवाई जाएंगी। निर्धारित अवधि के दौरान प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा।

जयपुर में 50 से ज्यादा वारदातों को अंजाम देने वाला शातिर पर्स स्नैचर गिरफ्तार, चोरी का माल खरीदने वाला साथी भी धराया

जयपुर। जयपुर पश्चिम की मुरलीपुरा थाना पुलिस ने रास्ते चलती महिलाओं को निशाना बनाकर पर्स स्नैचिंग करने वाले एक शातिर बदमाश और उससे चोरी का माल खरीदने वाले सह-आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार मुख्य आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में 17 मुकदमे दर्ज हैं और उसने जयपुर कमिश्नरेट के अलग-अलग इलाकों में 50 से अधिक वारदातें करना कबूल किया है।

क्या था पूरा मामला?

डीसीपी (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि 9 नवंबर 2026 को परिवादिया श्रीमती सोनू शर्मा मुरलीपुरा के पथ नंबर 7 स्थित एक ब्यूटी पार्लर से बाहर निकल रही थीं। इसी दौरान लाल रंग की बाइक पर सवार होकर आए एक बदमाश ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से भूरे रंग का लेडीज पर्स छीन लिया और फरार हो गया। पर्स में 25 हजार रुपये नकद, दो सोने की अंगूठियां, एक सोने की चेन, एक मोबाइल फोन और जरूरी दस्तावेज रखे थे।

सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग

मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल डीसीपी राजेश कुमार गुप्ता और एसीपी (झोटवाड़ा) शिव कुमार भारद्वाज के सुपरविजन तथा मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिरों को सक्रिय किया। तकनीकी साक्ष्यों और हुलिए के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी शरीफ उर्फ सोनू उर्फ जट्टल (28) निवासी मनोहरपुर (हाल निवासी खोरा बीसल) को धर दबोचा। पूछताछ के बाद पुलिस ने स्नैचिंग का माल खरीदने वाले उसके साथी दिलीप कुमार (28) मूल निवासी अरवल, बिहार (हाल निवासी कृष्णा नगर बी, खोरा बीसल) को भी गिरफ्तार कर लिया।

नशे की लत पूरी करने के लिए करता था वारदात

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी शरीफ नशे का आदी है। अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए वह बाइक पर घूमकर अकेली पैदल चलती महिलाओं को निशाना बनाता था और पर्स छीनकर फरार हो जाता था। इसके बाद वह लूटे गए गहनों और मोबाइल को अपने साथी दिलीप को बेच देता था।

बरामदगी और आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई ज्वेलरी, 6 मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त लाल रंग की मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। आरोपी शरीफ एक आदतन अपराधी है।

आपके पोर्टल देश का दर्पण न्यूज (वेबसाइट और यूट्यूब/सोशल मीडिया) के लिए इस प्रेस नोट के आधार पर समाचार तैयार है

जयपुर (देश का दर्पण न्यूज ब्यूरो)। भैया दूज के दिन अपने भाई के घर जा रही एक बुजुर्ग महिला को घर छोड़ने का झांसा देकर सोने के आभूषण चोरी करने वाली अंतरराज्यीय 'गुजराती गैंग' का भांकरोटा थाना पुलिस ने 24 घंटे के भीतर पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त ऑटो को जब्त कर लिया है।

क्या था पूरा मामला

जयपुर (पश्चिम) पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण (IPS) ने बताया कि 11 नवंबर 2026 को पंचवटी कॉलोनी, कमला नेहरू नगर



निवासी जुगल किशोर मीणा ने अपनी बुजुर्ग बहन छोटा देवी के साथ भांकरोटा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, बुजुर्ग महिला छोटा देवी भैया दूज के अवसर पर अपने ससुराल डीसीएम (अजमेर रोड) से भाई के घर आ रही थीं। वे मजार कट भांकरोटा पर बस से उतरकर स्लिप लाइन केशोपुरा होते हुए पैदल जा रही थीं।

?इसी दौरान एक ऑटो चालक ने उनके पास ऑटो रोका। ऑटो में पहले से बैठी दो महिलाओं ने बुजुर्ग महिला से हमदर्दी जताते हुए कहा कि "माताजी आप बुजुर्ग हैं, ऑटो में बैठ जाइए, हम आपको घर छोड़ देंगे।" महिलाओं की बातों पर विश्वास कर छोटा देवी ऑटो में दोनों महिलाओं के बीच बैठ गईं। कमला नेहरू नगर पुलिया के पास जब वे ऑटो से उतरीं, तो उन्हें शक हुआ। उन्होंने संभाला तो गले से सोने का 'ज्योल्या' गायब था। जब उन्होंने महिलाओं से आभूषण के बारे में पूछा, तो आरोपी ऑटो लेकर मौके से फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज से खुला राज, दो आरोपी गिरफ्तार

घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता के सुपरविजन और एसीपी बगरू धर्मेंद्र कुमार शर्मा व भांकरोटा थानाधिकारी दीपक त्यागी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण कर आरोपियों का रूटमैप तैयार किया और तकनीकी सहायता से उनकी पहचान की।

पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण के लिए 13 नवंबर को अंतिम प्रशिक्षण के बाद रवाना होंगे मतदान दल

जयपुर, पंचायतीराज आम चुनाव के तहत जयपुर जिले में चतुर्थ चरण के मतदान की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। चतुर्थ चरण के लिए शुक्रवार, 13 नवंबर को मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी परिसर से संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना होंगे।

मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण प्रातः 9.00 बजे से रहेगा। इस दौरान मतदान दलों को मतदान प्रक्रिया, ईवीएम के संचालन, बैलेट पेपर तथा निर्वाचन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के पश्चात मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा। मतदान दलों की सुविधा के लिए वाहन पार्किंग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि चतुर्थ चरण के तहत जयपुर जिले की चार पंचायत समितियों बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य तथा पंच-सरपंच पदों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। इस चरण में कुल 140 ग्राम पंचायतों के 446 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें पंचायत समिति बस्सी की 42 ग्राम पंचायतों के लिए 145 मतदान केंद्र, तूंगा की 24 ग्राम पंचायतों के लिए 74 मतदान केंद्र, जमवारामगढ़ की 42 ग्राम पंचायतों के लिए 129 मतदान केंद्र तथा आंधी की 32 ग्राम पंचायतों के लिए 98 मतदान केंद्र निर्धारित हैं।

उन्होंने बताया कि चतुर्थ चरण के तहत जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए शनिवार, 14 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। पंच एवं सरपंच पदों के लिए रविवार, 15 नवंबर को नामांकन प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके बाद सोमवार, 16 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा तथा मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी। उपसरपंच पद के लिए मंगलवार, 17 नवंबर को चुनाव आयोजित किया जाएगा। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए सभी चरणों की मतगणना शुक्रवार, 20 नवंबर को की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मतदान दलों की रवानगी, निर्वाचन सामग्री वितरण, परिवहन एवं प्रशिक्षण सहित सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित की जाएं।

'दीवाली खुशियों वाली' प्रतियोगिताओं में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 19 नवंबर तक मिलेगा मौका

पार्षदों एवं नागरिकों की मांग पर जयपुर नगर निगम का निर्णय; अब सभी श्रेणियों में दिवाली के दौरान की गई सजावट की गैलरी में सुरक्षित तस्वीरें भी कर सकेंगे अपलोड

जयपुर, जयपुर नगर निगम द्वारा दीपावली के अवसर पर आयोजित ह्यदीवाली खुशियों वालीह्ल प्रतियोगिताओं को लेकर शहरवासियों, व्यापारियों, संस्थागत प्रतिष्ठानों एवं वार्ड पार्षदों में मिल रहे उत्साहजनक प्रतिसाद को देखते हुए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पार्षदों एवं आवेदकों की मांग पर अब प्रतियोगिताओं में प्रविष्टियां 19 नवंबर 2026, गुरुवार तक स्वीकार की जाएंगी।

प्रतिभागियों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए अब सभी सातों श्रेणियों में दीपावली के दौरान की गई सजावट की मोबाइल गैलरी में पहले से सुरक्षित तस्वीरें भी अपलोड की जा सकेंगी। यानी जिन नागरिकों, व्यापारियों एवं संस्थानों ने दीपावली के अवसर पर अपने घर, प्रतिष्ठान, कार्यालय या बाजार को सजाया था और उसकी तस्वीरें अपने मोबाइल में सुरक्षित रखी हैं, वे भी अब उन तस्वीरों के माध्यम से प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। इसके लिए दोबारा सजावट करने या नई तस्वीरें लेने की आवश्यकता नहीं होगी।

उल्लेखनीय है कि जयपुर नगर निगम द्वारा इस आयोजन के अंतर्गत सात श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

इनमें वार्ड स्तरीय प्रतियोगिता, आवासीय क्षेत्रों में पारंपरिक एवं आधुनिक सजावट, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, संस्थागत प्रतिष्ठान तथा परकोटा (हेरिटेज) एवं ग्रेटर क्षेत्र के बाजार शामिल हैं।

विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार–

वार्ड स्तरीय प्रतियोगिताः वार्ड पार्षदों को अपने वार्ड की स्वच्छता, नवाचार एवं विशेष पहलों से संबंधित 50 सर्वश्रेष्ठ तस्वीरें प्रस्तुत करनी होंगी। विजेता वार्डों को अतिरिक्त विकास कार्यों के रूप में पुरस्कार दिए जाएंगे।

प्रथम पुरस्कार - 51 लाख के अतिरिक्त विकास कार्य।

द्वितीय पुरस्कार - 31 लाख के अतिरिक्त विकास कार्य।

तृतीय पुरस्कार - 21 लाख के अतिरिक्त विकास कार्य।

चतुर्थ से दसवां स्थान - प्रत्येक वार्ड को 11 लाख के अतिरिक्त विकास कार्य।

आवासीय क्षेत्र - पारंपरिक एवं आधुनिक सजावटः दोनों श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं।

– इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन (EV), छएऊटीवी, स्मार्टफोन

व्यावसायिक एवं संस्थागत प्रतिष्ठान तथा बाजार क्षेत्रः उत्कृष्ट सजावट एवं सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को प्रशंसा स्मृति-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

इसमें परकोटा (हेरिटेज) एवं ग्रेटर क्षेत्र के बाजार भी शामिल हैं।

आवेदन की प्रक्रिया–

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रति भागी jaipurdiwali.com पर जाकर अपने मोबाइल नंबर से पंजीकरण कर संबंधित श्रेणी का चयन कर सकते हैं। इसके बाद दीपावली के दौरान की गई सजावट की तस्वीरें सीधे मोबाइल गैलरी से अपलोड कर सकते हैं। निर्णायक मंडल द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया जाएगा तथा विजेताओं को माननीय महापौर द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि 19 नवंबर 2026 है। इसके बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जयपुर नगर निगम ने सभी नागरिकों, व्यापारियों, संस्थागत प्रतिष्ठानों एवं वार्ड पार्षदों से अपील की है।

कि बढ़ाई गई अवधि का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिताओं में भाग लें। दीपावली के दौरान अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं बाजारों में की गई सुंदर सजावट की तस्वीरें साझा कर इस सामूहिक उत्सव का हिस्सा बनें और गुलाबी नगरी की खूबसूरती को एक नई पहचान दें।

सिवान में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण शुरू , राजनीतिक दलों के साथ सिवान जिला प्रशासन की अहम बैठक



सीवान संवाददाता मसरूर अहमद

सीवान भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर निर्वाचक सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 की शुरूआत हो गई है। इस संबंध में गुरुवार, 12 नवंबर 2026 को मध्यान्ह 12:00 बजे समाहरणालय स्थित जिला निर्वाचन शाखा द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों और सचिवों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता श्री विजय प्रकाश मीणा भा. प्र. से. जिलाधिकारी सिवान ने किया। बैठक में पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रमुख बिंदुओं को साझा करते हुए राजनीतिक दलों से ग्राम स्तर तक के प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी देने की अपील की गई।

पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रमुख तिथियां

निर्वाचन विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए निम्नलिखित तिथियां निर्धारित की गई हैं:

प्रारूप सूची का प्रकाशनः 12 नवंबर 2026 (गुरुवार) को एकीकृत प्रारूप निर्वाचक सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।

दावा एवं आपत्ति की अवधिः मतदाता 12 नवंबर 2026 (गुरुवार) से 11 दिसंबर 2026 (शुक्रवार) तक अपने दावे और आपत्तियां दाखिल कर सकेंगे।

विशेष अभियान दिवसः मतदाताओं की सुविधा के लिए दो चरणों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रथम अभियान दिवस 21 व 22 नवंबर 2026 को तथा द्वितीय अभियान दिवस 05 व 06 दिसंबर 2026 (शनिवार एवं रविवार) को आयोजित होगा।

निष्पादन एवं अंतिम प्रकाशनः प्राप्त दावे और आपत्तियों का निष्पादन 28 दिसंबर 2026 (सोमवार) तक किया जाएगा, जिसके बाद 04 जनवरी 2027 (सोमवार) को निर्वाचक सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

लिंगानुपात सुधार और युवा मतदाताओं पर विशेष जोर

इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दो मुख्य उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं। पहला, अधिक से अधिक युवा मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करना और दूसरा, जिले के वर्तमान निर्वाचक सूची लिंगानुपात (884) में सुधार कर इसे जनगणना लिंगानुपात (988) के समरूप लाना।

किस काम के लिए कौन सा फॉर्म भरें

प्रशासन ने आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न प्रपत्रों (फॉर्म) की जानकारी भी साझा की हैः

प्रपत्र 6: नए मतदाताओं का नाम जोड़ने के लिए।

प्रपत्र 6कः प्रवासी भारतीयों (NRI) का नाम जोड़ने के लिए।

प्रपत्र 7: मतदाता सूची से नाम विलोपन (हटाने) के लिए।

प्रपत्र 8: मतदाता सूची की प्रविष्टियों में सुधार, ईपिक (वोटर कार्ड) प्रतिस्थापन, निवास स्थानांतरण/पता बदलने तथा दिव्यांगता चिह्नित करने के लिए।

ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद मिलकर बनाएंगे तीसरा मोर्चा आज होगा एलान



डॉ उदय शंकर भगत

लखनऊ ' उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी अक्टक्ट और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के बीच गठबंधन की तैयारी है लखनऊ में गठबंधन का औपचारिक एलान होने की संभावना है इस गठबंधन के जरिए यूपी में तीसरे मोर्चे की नींव रखी जा सकती है मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अक्टक्ट को 40 से 50 सीटें और आजाद समाज पार्टी को करीब 150 सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिल सकता है।

हालांकि, सीटों का अंतिम बंटवारा आधिकारिक एलान के बाद ही स्पष्ट होगा। यह गठबंधन सपा-कांग्रेस के चुनावी समीकरण को भी प्रभावित कर सकता है।

7 साल पुरानी रंजिश का खूनी बदला: '7007 गैंग' के चार बदमाश 12 घंटे में गिरफ्तार



जयपुर (कार्यालय संवाददाता)। राजधानी के करधनी थाना इलाके में सात साल पुरानी आपसी रंजिश का बदला लेने के लिए '7007' नामक गैंग बनाकर एक युवक की कुल्हाड़ियों से वार कर निर्मम हत्या करने वाले चार आरोपियों को जयपुर पश्चिम पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई कैंपर गाड़ी भी जब्त कर ली है।

कैम्पर से टक्कर मारकर रोका, फिर कुल्हाड़ियों से किया हमला

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि 11 नवंबर को करधनी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि रावण गेट के पास जगदंबा नगर में कुछ अज्ञात बदमाशों ने विजय चौधरी उर्फ विजय बाजिया पर कुल्हाड़ियों से जानलेवा हमला कर दिया है। आरोपियों ने पहले से मिल रही धमकियों के बीच विजय की गाड़ी का कैम्पर से पीछा किया, उसे टक्कर मारकर रास्ता रोका और फिर धारदार कुल्हाड़ियों से सिर, चेहरे और शरीर पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। घायल अवस्था में उसे रक्षा अस्पताल ले जाया गया, जहां से मृत घोषित होने पर शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

पिता की हत्या का बदला लेने के लिए बनाई गैंग

मृतक के भाई बजरंग बाजिया की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मृतक विजय बाजिया और उसके साथियों ने करीब सात साल पहले मुख्य आरोपी अनीश के पिता कैलाश गोल्या की हत्या कर दी थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपियों ने '7007 गैंग' बनाई और वारदात को अंजाम दिया।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार

एडिशनल डीसीपी राजेश गुप्ता व अदिति उपाध्याय (आईपीएस प्रो.) के निर्देशन, एसीपी झोटवाड़ा शिव कुमार भारद्वाज के सुपरविजन और करधनी थानाधिकारी सवाईसिंह के नेतृत्व में गठित टीमों ने कार्रवाई करते

हुए जोबनेर (जयपुर ग्रामीण) निवासी चार आरोपियों को दबोचा हैः

अनीश गोल्या उर्फ जग्गू (21) निवासी ग्राम तिबारिया

कमलेश गोल्या उर्फ कमल उर्फ जोरू (23) निवासी ग्राम तिबारिया

युवराज चौधरी (23) निवासी ग्राम तिबारिया

दिनेश चौधरी उर्फ दीनू (23) निवासी ग्राम हिंगोनिया

इस पूरी कार्रवाई में कालवाड़ थाने के कांस्टेबल गजानंद की विशेष भूमिका रही। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

दिवाली की छुट्टीयों मे पर्यटन स्थल जवाई एरिया मे सैलानीयों को रोमांचक दृश्य लेपर्ड सफारी,यहां तेंदुए खुले प्राकृतिक परिदृश्य



रिपोर्टर डीके देवासी

. उपखण्ड बाली क्षेत्र कोठार खुले नजदीक मे लेपड़ सफारी व हिल ग्रेनाइट सफारी पहाड़ियों,शांत जलाशयों और समृद्ध वन्यजीव विविधता से घिरा यह क्षेत्र एक अलग ही सफारी रोमांचक अनुभव अलग ही देता है यहाँ तेंदुओं की स्वाभाविक गतिविधियों को करीब से देखना,पक्षियों की विविध दुनिया को महसूस करना और प्रकृति से जुड़ना अविस्मरणीय होता है जवाई एरिया मे कोठार दुदनी क्षेत्र लेपड़ सफारी जंगल मे खुले घूमते लेपड़ पर्यटक सैलानी पहाड़ियों के बिच रोमांचक जवाई डेम मे हिल स्टेशन जवाई के अन्य जगह पर सफारी कोठार जंगल हिल सफारी पड़ोसी राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब हरियाणा अधिक से अधिक पर्यटक वाहन लेकर कोठार, दुदनी जवाई एरिया मै पहुंचे आज ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं जवाई मे अनोखे अनुभव को करीब से जानिए

पंचायती राज चुनाव के चौथे चरण के मतदान को लेकर एसपी ने ली पुलिस अधिकारियों की बैठक



अजय राज टोंक। जिले में पंचायती राज चुनाव के चतुर्थ चरण के मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त रूप से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। गुरुवार को जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोशन मीना ने चुनाव ड्यूटी में तैनात समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों की एक विशेष बैठक आयोजित कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चौथे चरण के तहत जिले की निवाई, टोंक, मालपुरा और टोडारायसिंह पंचायत समितियों की 129 ग्राम पंचायतों में चुनाव होंगे। इसके लिए कुल 414 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां 3 लाख 76 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए 14 नवंबर को मतदान होगा, जबकि पंच एवं सरपंच पदों के लिए मतदान और मतगणना 16 नवंबर को संपन्न होगी। इसके बाद 17 नवंबर को उपसरपंच का चुनाव होगा।बैठक को संबोधित करते हुए एसपी रोशन मीना ने कहा कि चुनाव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव सहित अन्य पुलिस अधिकारियों व जवानों को प्रत्येक बूथ पर पूरी सतर्कता के साथ तैनात रहने के निर्देश दिए। एसपी ने स्पष्ट किया कि मतदान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा डालने या आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।एसपी ने संवेदनशील और अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात करने, गश्त व फ्लैग मार्च बढ़ाने और सूचना तंत्र को मजबूत रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कार्मिकों को आम मतदाताओं के साथ सौम्य व्यवहार रखने तथा मतदान केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने देने की हिदायत भी दी।

टोंक जिले में 11 लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत, कलेक्टर टीना डाबी ने जारी की प्रारूप सूची



अजय राज टोंक। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसएसआर-2027) के अंतर्गत गुरुवार को जिले की चारों विधानसभाओं की एकीकृत प्रारूप मतदाता सूचियां जारी कर दी गईं। यह सूचियां 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर तैयार की गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर टीना डाबी ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में इन आंकड़ों का विवरण साझा किया। उन्होंने जानकारी दी कि प्रारूप सूची के मुताबिक मालपुरा (94), निवाई (95), टोंक (96) और देवली-उनियारा (97) विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 11 लाख 4 हजार 100 दर्ज की गई है। इसमें 5 लाख 72 हजार 831 पुरुष एवं 5 लाख 31 हजार 269 महिला मतदाता शामिल हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूचियों के प्रकाशन के साथ ही दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। आमजन आगामी 11 दिसंबर तक संबंधित मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से अथवा ऑनलाइन पोर्टल पर अपने नाम जुड़वाने, कटवाने या संशोधन के लिए दावे एवं आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे।उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करें, ताकि पात्र युवाओं और वंचित मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े जा सकें ।

महापर्व छठ पूजा के आयोजन को लेकर बरेका स्थित सूर्य सरोवर पर तैयारियां जोर-शोर से जारी

साफ-सफाई सुरक्षा विद्युत प्रकाश एवं श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए किए जा रहे विशेष प्रबंध



डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी ' 12 नवंबर 2026। लोक आस्था पवित्रता एवं सूयोर्पासना के महापर्व छठ पूजा के भव्य आयोजन को लेकर बनारस रेल इंजन कारखाना बरेका स्थित सूर्य सरोवर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं इस पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं के आगमन को ध्यान में रखते हुए परिसर की साफ सफाई सुरक्षा व्यवस्था विद्युत प्रकाश सजावट एवं आवागमन को सुगम बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं छठ पूजा के अवसर पर सूर्य सरोवर परिसर को रंग-बिरंगी विद्युत झालरों एवं आकर्षक रोशनी से सजाया जा रहा है जिससे पूरा परिसर भक्तिमय एवं उत्सवी वातावरण से आलोकित हो उठेगा जन संपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि बरेका प्रशासन द्वारा छठ महापर्व को सुव्यवस्थित सुरक्षित एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि श्रद्धालु सुविधाजनक रूप से इस पावन पर्व में सहभागिता कर सकें उल्लेखनीय है कि बरेका स्थित सूर्य सरोवर में प्रत्येक वर्ष छठ महापर्व अत्यंत श्रद्धा उत्साह एवं पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाता है इस दौरान हजारों की संख्या में व्रती महिलाएं पुरुष एवं श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि तथा मंगलमय जीवन की कामना करते हैं इस अवसर पर छठ व्रतियों की अटूट आस्था लोक परंपरा एवं भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है छठ पूजा का कार्यक्रम निम्नवत है ।

सायंकालीन अर्घ्यः 15 नवंबर 2026 रविवार सायं 5 बजे

प्रातःकालीन अर्घ्यः 16 नवंबर 2026 सोमवार।

बच्छाव हादसे में मृत मासूम बहनों के परिजनों से मिले रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल बंधाया ढांढस



डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी । रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के बच्छाव गांव में मंगलवार देर रात तालाब किनारे बने मकान की दीवार ढहने से तालाब में डूबकर जान गंवाने वाली दो मासूम सगी बहनों आफिया (6) और फलक (4) के परिजनों से मिलने बुधवार को रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल पहुंचे उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की विस्तृत जानकारी ली और शोक संवेदना व्यक्त की विधायक ने कहा कि यह हादसा बेहद दर्दनाक और हृदय विदारक है दो मासूम बच्चियों की मौत से पूरा क्षेत्र शोक में है उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में वे परिवार के साथ खड़े हैं और हर संभव मदद की जाएगी विधायक ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता व आवास सहित अन्य सरकारी सुविधाएं शीघ्र दिलाने की बात कही साथ ही तालाब किनारे रह रहे अन्य परिवारों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया इस दौरान विधायक ने घायल सदस्यों का हालचाल भी लिया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की इस दौरान प्रदेश महासचिव डॉ. उमेश पटेल सचाऊ पटेल राजकुमार वर्मा मानस सिंह श्याम बली पटेल धर्मेंद्र राजपूत चौकी प्रभारी विनोद पटेल अखिलेश पटेल निलय पटेल राकेश पटेल बृजेश पटेल शुभम मौर्य इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जी ने लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ के दृष्टिगत सुरक्षा एवं यातायात के पुख्ता प्रबंध करने के दिए निर्देश



डॉ उदय शंकर भगत

लखनऊ वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने वाराणसी में आगामी 20 से 23 नवम्बर तक गंगा महोत्सव और आगामी 24 नवम्बर को आयोजित होने वाली देव दीपावली की तैयारियों की समीक्षा की मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा सुरक्षा तथा सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देव दीपावली काशी की सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली विरासत का पर्व है इस वर्ष काशी के सभी पक्के घाटों रेतीले तट और 100 से अधिक कुंडों पर 11 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए जाएंगे आयोजन का उल्लास ग्रामीण क्षेत्रों सारनाथ और प्रमुख धार्मिक स्थलों तक भी पहुंचना चाहिए मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि नमो घाट पर आयोजित होने वाले गंगा महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाए।

वहीं 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली पर दशाश्वमेध घाट की भव्य महाआरती चेत सिंह घाट पर प्रोजेक्शन एवं लेजर शो ड्रोन शो और काशी विश्वनाथ धाम के सामने ग्रीन आतिशबाजी की व्यवस्था आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जाए उन्होंने नाविकों को सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित संचालन का प्रशिक्षण देने तथा महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार दीपकों को दीपोत्सव में शामिल करने पर भी जोर दिया मुख्यमंत्री जी ने लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ के दृष्टिगत सुरक्षा एवं यातायात के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए।

वैशाली नगर ज्वैलरी शोरूम लूटकांड का 48 घंटे में पदार्फाश, 37 लाख के जेवर लूटने वाला शातिर गिरफ्तार



जयपुर (देश का दर्पण न्यूज)। राजधानी के वैशाली नगर थाना क्षेत्र स्थित 'सिरियस ज्वैलर्स' (Sirius Jewels) शोरूम में दिनदहाड़े चाकू की नोक पर हुई 37 लाख रुपये की लूट की वारदात का जयपुर (पश्चिम) पुलिस ने महज 48 घंटे में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए शातिर अपराधी दिग्विजय सिंह (32) को गिरफ्तार किया है।

300 से अधिक सीसीटीवी खंगालने के बाद मिला सुराग

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) प्रशांत किरण (आईपीएस) ने बताया कि 10 नवंबर को हुई इस सनसनीखेज वारदात के बाद अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता के निर्देशन और एसीपी वैशाली नगर अनिल कुमार शर्मा के सुपरविजन में विशेष टीमों का गठन किया गया। वैशाली नगर थानाधिकारी अरविंद सिंह शेखावत, डीएसटी प्रभारी गणेश सैनी, चित्रकूट थानाधिकारी विक्रम सिंह और करणी विहार थानाधिकारी सतपाल यादव के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने घटनास्थल व आसपास के क्षेत्रों के 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

दिल्ली में माल बेचने की फिराक में था आरोपी

तकनीकी विश्लेषण और मानवीय आसूचना के आधार पर आरोपी की पहचान करधनी थाना क्षेत्र के देवी नगर (कालवाड़ रोड) निवासी दिग्विजय सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई। इसी बीच उप निरीक्षक मोहित सिंह और डीएसटी के कांस्टेबल मुकूट को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी लूटे गए जेवरात को बेचने की फिराक में दिल्ली गया हुआ है। पुलिस टीम ने तकनीकी आधार पर घेराबंदी कर आरोपी को डिटेन किया और गहन पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से लूटे गए माल की बरामदगी को लेकर पूछताछ कर रही है।

यह था पूरा घटनाक्रम

शोरूम की ज्वैलरी कंसल्टेंट अंजली कायथ ने वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 10 नवंबर की सुबह करीब 10:15 बजे उन्होंने शोरूम खोला था। सुबह करीब 10:30 बजे जब वे मैनेजर रोहित जांगिड़ से फोन पर बात कर रही थीं, तभी मुंह पर मास्क और सिर पर पीली टोपी पहने एक युवक काले रंग का बैग लेकर शोरूम में दाखिल हुआ।

आरोपी ने बैग से चाकू निकालकर पहले शोरूम के सुरक्षा गार्ड महावीर प्रसाद गुप्ता को जकड़ लिया और फिर कंसल्टेंट को जान से मारने की धमकी देते हुए हीरे व सोने के आभूषण बैग में भरवा लिए। बदमाश शोरूम से 7 गले के हार और 31 अंगूठियां लूटकर फरार हो गया था, जिनकी कुल कीमत करीब 37 लाख रुपये आंकी गई थी।

इनकी रही विशेष भूमिका

आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी में वैशाली नगर थाने के उप निरीक्षक मोहित सिंह, कांस्टेबल दीपचंद तथा डीएसटी (जयपुर पश्चिम) के कांस्टेबल मुकूट की विशेष भूमिका रही।

डीएम के निदेर्शानुसार पुलिस अधीक्षक सिवान की अध्यक्षता में की गई बैठक



सीवान संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान, से आज दिनांक 12.11.2026 को जिला पदाधिकारी सिवान के निदेर्शानुसार पुलिस अधीक्षक सिवान की अध्यक्षता में अम्बेडकर भवन सिवान के संवाद कक्ष में आस्था के महापर्व छठ में विधि व्यवस्था संधारण को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारीयों की बैठक आहूत कर उन्हे संबोधित किया गया।

विदित हो कि दिनांक 14 से 16 नवंबर 2026 तक कार्तिक छठ पूजा के अवसर पर छठ घाटों पर श्रद्धालुओं/ व्रतियों की भारी भीड़ इकट्ठा होती है। इस अवसर पर शांति व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था संधारण हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां की जा रही है ।

पुलिस अधीक्षक सिवान ने संबोधन के क्रम में संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लाइटिंग , साफ-सफाई ,पेयजल, चेंजिंग रूम, अस्थाई शौचालय, क्रियाशील पब्लिक एड्रेस सिस्टम , नियंत्रण कक्ष, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड की उपलब्धता, एनडीआरफ ,वोट, गोताखोर की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साइनेज ,महिलाओं ,बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था,यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था आदि हर हाल में सुनिश्चित किया जायेगा। निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन हेतु आवश्यक तैयारियां, दुकानों को सुव्यस्थित करने, के साथ ही असमाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेश दिया गया।

उन्होंने ने कहा कि स-समय सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि गहरे पानी से सुरक्षा हेतु वोट ,एनडीआरएफ, गोताखोर आदि की व्यवस्था आदि करने का निदेश दिया गया।

छठ घाट पर पटाखा छोड़ना प्रतिबंधित रहेगा। अत्यधिक भीड़भाड़ वाले स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा से लैश किया जाएगा। जिला नियंत्रण कक्ष से प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारीयों के उपस्थिति की जांच लगातार की जाएगी।

इस अवसर पर बंदोबस्त पदाधिकारी सिवान, उप विकास आयुक्त सिवान, अनुमंडल पदाधिकारी सिवान सदर/महाराजगंज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिवान सदर/ महाराजगंज, सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित रहें ।

जयपुर में थार का खौफनाक कहर: एक बार टक्कर मारी, फिर गाड़ी बैक कर युवक को कुचला

चांदपोल के पास नारी का नाका क्षेत्र में दिनदहाड़े इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच एक तेज रफ्तार थार (नंबर: RJ 60 CJ 3428) ने 28 वर्षीय गणेश स्वामी को जोरदार टक्कर मारी।

चश्मदीदों और परिजनों का आरोप है कि यह महज हादसा नहीं, बल्कि सोची-समझी हत्या है–क्योंकि टक्कर मारने के बाद चालक ने गाड़ी दोबारा बैक की और सड़क पर गिरे गणेश के ऊपर चढ़ा दी। कांवटिया अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

3 मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

28 साल के गणेश की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। उनके तीन छोटे बच्चे हैं, जो अब अनाथ हो गए हैं।

इलाके में भारी आक्रोश, 3 साल में चौथी घटना

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में रफ्तार का आतंक थम नहीं रहा है और पिछले 3 साल में यह चौथी ऐसी वारदात है।

जब सेवा जीवन का संकल्प बन जाती है : चिलूमे रविकुमार की असाधारण मानवीय यात्रा



स्नेहाशीष मुखर्जी, देश का दर्पण, कोलकाता पश्चिमबंगाल

कुछ लोग अपना पूरा जीवन पत्थरों के स्मारक बनाने में लगा देते हैं, जबकि कुछ ऐसे भी होते हैं जो इससे कहीं अधिक स्थायी स्मारक रचते हैं – मनुष्यों के हृदय में प्रेम, करुणा और सद्भावना के स्मारक।

कुछ लोग सफलता को अपने पद, संचित धन और प्राप्त प्रतिष्ठा से मापते हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो अपने जीवन की सफलता का मूल्यांकन एक अलग और अधिक सुंदर कसौटी पर करते हैं – उन्होंने कितने आँसू पोंछे, कितने सपनों को बिखरने से बचाया, कितने परिवारों को सम्मानपूर्वक जीने का संबल दिया और कितने हृदयों में आने वाले कल के प्रति विश्वास जगाया।

चिलूमे रविकुमार इसी दूसरी मानवीय परंपरा के प्रतिनिधि हैं।

उनकी यात्रा केवल समाजसेवा में संलग्न किसी व्यक्ति की कहानी नहीं है। यह एक ऐसी जीवन-दृष्टि का प्रतिबिंब है, जिसमें प्रत्येक उपलब्धि के केंद्र में मानवता हो, करुणा केवल भावना बनकर न रह जाए बल्कि कर्म में परिणत हो, और मनुष्य होने का सबसे बड़ा सौभाग्य किसी दूसरे के जीवन में सार्थक परिवर्तन लाने का अवसर बने।

आज की ऐसी दुनिया में, जहाँ महत्वाकांक्षाओं का शोर अक्सर अंतःकरण की शांत आवाज को दबा देता है, रविकुमार के कार्य हमें एक सौम्य किंतु गहरा संदेश देते हैं – मनुष्य के जीवन की वास्तविक सुगंध उसके पीछे छोड़ी गई अच्छाइयों में बसती है।

मिट्टी की सुगंध और साधारण शुरूआतों की असाधारण शक्ति

हर सार्थक यात्रा का अपना एक आरंभ होता है। कुछ यात्राएँ अवसरों से जगमगाते भव्य नगरों में शुरू होती हैं, तो कुछ छोटे-छोटे गाँवों की मिट्टी से जन्म लेती हैं, जहाँ जीवन अपनी सरलता, संघर्ष, रिश्तों और साधारण लोगों के असाधारण धैर्य के माध्यम से अनेक मूल्यवान सीख देता है।

चिलूमे रविकुमार की जीवनयात्रा कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले के नेलमंगला तालुक स्थित कल्लनायकनहल्ली गाँव से प्रारंभ होती है।

गाँव की मिट्टी केवल भौगोलिक विरासत नहीं होती। उसमें स्मृतियाँ, संस्कार और जीवन को समझने की ऐसी दृष्टि समाहित होती है, जिसे केवल पुस्तकों से प्राप्त नहीं किया जा सकता। गाँव हमें श्रम की गरिमा, रिश्तों का महत्व, बाँटकर जीने का आनंद और अनिश्चितताओं के बीच भी साहस बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

जीवन के इन्हीं आधारों ने रविकुमार की सोच और व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनकी शैक्षणिक यात्रा उन्हें तुमकुरु स्थित सिद्धगंगा संस्थान तक ले गई, जहाँ उन्होंने डी.एड. (डिप्लोमा इन एजुकेशन) और बी.ए. की शिक्षा प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने अध्यापन के क्षेत्र में प्रवेश किया। इस व्यवसाय ने उन्हें युवा मनों, बच्चों की आकांक्षाओं और परिवारों के सपनों को निकट से समझने का अवसर दिया।

शिक्षण केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं है। अपने सर्वोत्तम स्वरूप में यह संभावनाओं को जागृत करने की कला है। एक सच्चा शिक्षक अक्सर किसी बच्चे में वह क्षमता देख लेता है, जिसे वह बच्चा स्वयं भी अभी पहचान नहीं पाया होता।

शायद इसी अनुभव ने रविकुमार के इस विश्वास को और मजबूत किया कि शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और समान अवसर समाज को बदलने के सबसे प्रभावशाली साधनों में से हैं।

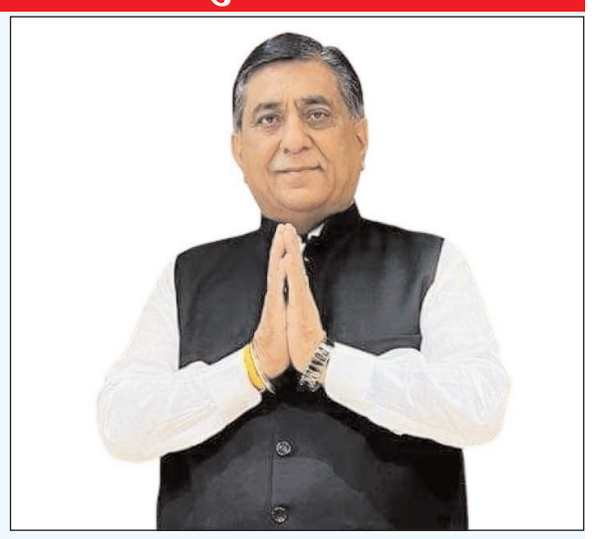
लेकिन धीरे-धीरे उनकी दृष्टि कक्षा की सीमाओं से आगे बढ़ने लगी।

उन्होंने जीवन को ही एक विशाल कक्षा के रूप में देखना शुरू किया – ऐसी कक्षा, जो सड़कों, बस्तियों, घरों, सार्वजनिक संस्थानों और उन समुदायों में फैली हुई है, जहाँ लोग ऐसी कठिनाइयों का सामना करते हैं जो अक्सर व्यापक समाज की दृष्टि से ओझल रह जाती हैं।

पेंशन की प्रतीक्षा करता कोई वृद्ध व्यक्ति, सहायता की अपेक्षा रखती कोई माँ, पढ़ाई जारी रखने के लिए संघर्ष करता कोई विद्यार्थी, स्वास्थ्य सुविधा की तलाश में भटकता कोई परिवार अथवा रोजगार की आशा सँजोए कोई युवा – ये सभी इस बात की याद दिलाते हैं ।

कि समाज की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह जरूरतमंद लोगों के प्रति कितना संवेदनशील है।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा पर बरसे भाजपा नेता संजीव खन्ना, बोले–सत्ता की कुर्सी हमेशा नहीं रहती



मोहाली (अमरपाल नूरपुरी)

भाजपा नेता संजीव खन्ना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हलका विधायक कुलजीत सिंह रंधावा और नगर परिषद प्रशासन को आड़े हाथों लिया। उन्होंने त्योहारों के दौरान लगाए गए शुभकामना पोस्टर हटाने में राजनीतिक भेदभाव और ढकोली में उनकी निजी जमीन पर कथित रूप से बिना अनुमति निर्माण कराने के गंभीर आरोप लगाए।

संजीव खन्ना ने कहा कि दिवाली, गुरुपर्व, छठ पूजा, भाई दूज, विश्वकर्मा दिवस और गोवर्धन पूजा के अवसर पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने लोगों को शुभकामनाएं देने के लिए पोस्टर लगाए थे। लेकिन नगर परिषद की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं के पोस्टर हटाए जा रहे हैं, जबकि सत्ताधारी दल के नेताओं के पोस्टर बरकरार हैं।

खन्ना ने मेट्रो के सामने बने लोहे के फुटओवर ब्रिज का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां उनका पोस्टर हटा दिया गया, जबकि सत्ताधारी पक्ष का पोस्टर लगा रहा। उन्होंने सवाल किया कि जब नियम सभी के लिए समान हैं तो कार्रवाई में भेदभाव क्यों किया जा रहा है क्या नगर परिषद के नियम केवल विपक्षी नेताओं के लिए ही बनाए गए हैं संजीव खन्ना ने विधायक कुलजीत सिंह रंधावा, नगर परिषद प्रधान और ईओ को संबोधित करते हुए कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती। उन्होंने कहा, "आज कुर्सियां आपके नीचे हैं, कल कहां होंगी, किसी को नहीं पता। इसलिए ऐसी राजनीति से बाज आएं।"

सेक्टर-45-46 से माता चिंतपूर्णी व ज्वाला जी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना



चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी)

आम आदमी पार्टी के स्टेट जॉइंट सेक्रेटरी नरिंदर भाटिया की ओर से नगर निगम के वार्ड नंबर-34 के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-45 और 46 के श्रद्धालुओं के लिए माता चिंतपूर्णी और माता ज्वाला जी के दर्शनों हेतु निःशुल्क धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। सेक्टर-45 स्थित सनातन धर्म मंदिर से श्रद्धालुओं का जत्था माता के जयकारों के बीच रवाना हुआ। इस धार्मिक यात्रा को आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के अध्यक्ष विजय पाल और पार्षद हरदीप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। धार्मिक यात्रा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। लोगों की मांग और उत्साह को देखते हुए पहले निर्धारित एक बस के स्थान पर टेंपो ट्रैवलर की व्यवस्था की गई, ताकि श्रद्धालु सुविधाजनक तरीके से माता के दर्शनों के लिए रवाना हो सकें।

इस मौके पर नरिंदर भाटिया ने कहा कि धार्मिक यात्राओं के आयोजन का उद्देश्य लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाने के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। उन्होंने यात्रा में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

विश्व हिन्दू परिषद की जिला बैठक सम्पन्न, 17 नवम्बर से 6 दिसम्बर तक चलेगा हितचिंतक अभियान



अकरम खान, सोजत। विश्व हिन्दू परिषद जिला सोजत की जिला बैठक गुरुवार, 12 नवम्बर 2026 को श्री वासुदेव जी आश्रम, चंडावल में सम्पन्न हुई। बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य अधिकारी के रूप में नरेश बोहरा प्रांत प्रचार-प्रसार सह प्रमुख एवं पाली विभाग पालक अधिकारी तथा शैतान सिंह बिरोलिया प्रांत गौ रक्षा प्रमुख एवं सोजत जिला पालक अधिकारी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बैठक का मुख्य विषय आगामी हितचिंतक अभियान रहा, जो दिनांक 17 नवम्बर से 6 दिसम्बर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का प्रमुख उद्देश्य अधिकाधिक हिन्दू परिवारों तक पहुंच बनाना तथा उन्हें विश्व हिन्दू परिषद के हितचिंतक के रूप में संगठन से जोड़ना है।

इस दौरान अभियान को जिले के प्रत्येक प्रखंड, खंड एवं नगर स्तर तक व्यापक रूप से संचालित करने, घर-घर संपर्क करने तथा अधिक से अधिक हिन्दू परिवारों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने सभी कार्यकताओं को अभियान की निर्धारित अवधि में सक्रियता एवं समर्पण के साथ जनसंपर्क कर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक में उम्मेद सिंह, माँगीलाल गहलोत, मानवेंद्र भाटी, रणजीत सिंह राजपुरोहित, लक्ष्मीकांत भाटी, शीलादेवी शर्मा, सन्तोष सिंह, ओमप्रकाश तंवर सहित ज़िला एवं प्रखंड के कार्यकर्ता उपस्थित रहे तथा संगठन के आगामी कार्यक्रमों, संगठनात्मक विस्तार एवं कार्यकताओं के दायित्वों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में जिले में निवासरत प्रांत अधिकारियों सहित जिला, प्रखंड, खंड एवं नगर कार्यकारिणी के दायित्ववान कार्यकताओं ने सहभागिता निभाई।

बैठक का समापन हितचिंतक अभियान को सफल बनाने तथा अधिकाधिक हिन्दू परिवारों को संगठन से जोड़ने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

सुंदर और स्पष्ट लिखावट के लिए 28 नवंबर को विशेष कार्यशाला

8 से 15 वर्ष की बालिकाओं के लिए तीन घंटे का प्रशिक्षण, पहले ही दिन 30 से अधिक पंजीयन

मेड़ता सिटी।(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ सोहनी देवी काबरा नारी सशक्तिकरण अभियान की ओर से शनिवार, 28 नवंबर को शारदा बाजार स्थित एसडीके भवन में 8 से 15 वर्ष की बालिकाओं के लिए हस्तलेखन की विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी। दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक चलने वाले इस सत्र में जोधपुर से पूजा व्यास मुख्य प्रशिक्षक होंगी। अभियान प्रमुख रामानंद काबरा ने कहा, ह्लजब बच्चे अपनी बात साफ और सुंदर अक्षरों में लिखते हैं, तो उसे पढ़ना और समझना आसान होता है। नियमित अभ्यास से उन्हें अपने विचार लिखकर व्यक्त करने में भी अधिक आत्मविश्वास मिलता है।ह्व

कार्यक्रम संयोजिका अनुराधा बिरला ने बताया कि कार्यशाला में सही ढंग से बैठना, पेन-पेंसिल पकड़ना और कॉपी रखने का तरीका सिखाया जाएगा। बालिकाएँ छोटे और बड़े अक्षर लिखने, अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाने, शब्दों के बीच उचित दूरी रखने और पूरे पृष्ठ पर व्यवस्थित ढंग से लिखने का अभ्यास करेंगी। हाथ और उँगलियों के सरल व्यायाम भी सिखाए जाएँगे।

कार्यशाला के बाद बालिकाओं को घर पर अभ्यास के लिए लिखने का काम दिया जाएगा। एक सप्ताह बाद प्रशिक्षक हर बालिका की लिखावट देखकर उसे व्यक्तिगत रूप से बताएँगी कि कहाँ सुधार हुआ है और आगे किन बातों पर अभ्यास करना है।

कार्यशाला में अधिकतम 60 बालिकाओं का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के पहले ही दिन 30 से अधिक आवेदन गूगल फॉर्म के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। इच्छुक अभिभावक गूगल फॉर्म भरकर अपनी बालिका का पंजीयन करा सकते हैं।

तनोट माता मंदिर की पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा बैठक

जयपुर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर तनोट माता मंदिर की पुनर्विकास परियोजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

इन श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए राज्य सरकार ने मंदिर के समग्र विकास की योजना बनाई है।

टाई चंडीगढ़ ने टाई चंडीगढ़ क्रिकेट लीग 2026 के 7वें संस्करण की घोषणा की



चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी): टाई (द इंडस एंटरप्रेन्योर्स) चंडीगढ़ ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बहुप्रतीक्षित टाई चंडीगढ़ क्रिकेट लीग (टीसीसीएल) 2026 के 7वें संस्करण की घोषणा की।

"फ्रॉम बोर्डरूम्स टू बाउंड्रीज झ सेलिब्रेटिंग द स्पिरिट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप सिंस 2016" की टैगलाइन के साथ आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में उद्यमी, कारोबारी जगत के प्रमुख लोग, कॉर्पोरेट पेशेवर और क्रिकेट प्रेमी एक साझा खेल मंच पर एकत्र होंगे।

टेक प्रास्तिश द्वारा प्रस्तुत और कन्वर्जन पर्क के सहयोग से आयोजित टाई चंडीगढ़ क्रिकेट लीग 2026 के मुकाबले 20, 21, 22 और 27, 28 व 29 नवंबर 2026 को मोहाली स्थित लॉन्चिंग पैड क्रिकेट अकादमी में खेले जाएंगे।

टाई चंडीगढ़ ने प्रतियोगिता के डगआउट प्रायोजकों सॉफ्ट एलिवेशन, बोहर एस्टेट, लीगल एक्को और घुमन इंफ्रा का भी उनके महत्वपूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

इस वर्ष टाई चंडीगढ़ के सदस्य संगठनों की कुल 16 टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। यह आयोजन टीम भावना, खेल प्रतिभा और उद्यमिता के उत्साह का अनूठा संगम होगा।

टीसीसीएल 2026 के 7वें संस्करण में भाग लेने वाली टीमें हैं झ इनोवेटिव इंसेंटिव्स, टेक प्रास्तिश, बीस-ऑल्वर टेक्नोलॉजी, टैलेंटेल्जिया, सॉफ्ट्रिक्स, सिग्निसेंट, सिग्निटी, कन्वर्जन पर्क, ऐपस्मार्ट्ज, यूनिफाई ग्रुप, अमेज कॉन्फ्रेंस, मास्टर ट्रस्ट, आईडीएस इन्फोटेक, 42 वर्क्स, वेबगुरुज टेक और सीएस सॉफ्ट सॉल्यूशंस।

प्रतियोगिता के 7वें संस्करण की घोषणा के अवसर पर टाई चंडीगढ़ के अध्यक्ष ब्रह्म अलरेजा, उपाध्यक्ष अद्वैत उपाध्याय, महासचिव सुमेध सचदेवा, कोषाध्यक्ष सुमित सिंह और संयुक्त सचिव जसविंदर सिंह उपस्थित रहे।

जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, पंच के चतुर्थ चरण के मतदान के लिए मतदान दलों की रवानगी आज

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया) पंचायती राज संस्थाओं जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, पंच के आम चुनाव 2026 के लिए मतदान दल प्रशिक्षण उपरान्त राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बाड़ी रोड धौलपुर से अपने गन्तव्य स्थान के लिए रवाना होगें। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी ने बताया कि तृतीय चरण के तहत पंचायत समिति बसेड़ी, राजाखेड़ा एवं सरमथुरा के मतदान दलों की 13 नवम्बर को रवानगी होगी। मतदान दलों का रिपोर्टिंग का सयम प्रातः 8 बजे रहेगा तथा मतदान दलों का प्रातः 11 बजे रवानगी रहेगी। उन्होंने बताया कि राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बाड़ी रोड धौलपुर में मतदान दलों को प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण सहित अन्य व्यवस्थाऐं की गई है।

पहचान पत्र काउन्टर की रहेगी व्यवस्था

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि रवानगी स्थल पर पहचान पत्र प्रकोष्ठ की व्यवस्था रहेगी।

काउन्टर पर पहचान पत्र प्रकोष्ठ के कार्मिक उपस्थित रह कर जोनल मजिस्ट्रेट, आरओ पंचायत, मतदान दल के पहचान पत्र तैयार कर सम्बन्धित को उपलब्ध कराएगें।

हेल्पडेस्क, नियंत्रण कक्ष की रहेगी व्यवस्था

रवानगी स्थल पर स्थल पर हेल्पडेस्क, नियंत्रण कक्ष पर दो प्रशिक्षित मास्ट ट्रेनर प्रभारी अधिकारी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ द्वारा नियुक्त रह कर अपने दायित्वों का निर्वहन करेगें।

मेडिकल कैम्प रहेगा मौजूद

रवानगी स्थल पर चिकित्सा अधिकारी द्वारा चिकित्सक, चिकित्साकर्मी, दवाईयां एवं एम्बूलेंस की व्यवस्था की जाएगी। वाहन व्यवस्था काउन्टर होगा मौजूद

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान दलों के वाहन राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के बाहर स्थित खाली स्थान पर वाहन खड़े किए जाएगें तथा मतदान दल खाली स्थान से अपने-अपने वाहनों में बैठकर मतदान केन्द्रों पर रवाना होगें।

उन्होंने बताया कि मतदान दलों के रवानगी के दौरान पीएचईडी विभाग द्वारा पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। रवानगी स्थल पर साफ-सफाई, फायर बिग्रेड मय चालक एवं चल शौचालय की व्यवस्था भी रहेगी।

रास्ते में कृषि यंत्रों को रखने से बड़े हादसे का इन्तजार

रास्ते के अतिक्रमण को मिनटो में हटा दूंगा सरपंच पति,.. अन्नू



रिपोर्ट...राकेश कोठेनियां

हलेना (भरतपुर) एक नजर अपने आस पास गलियों, में कई सालों से टैक्टर, भेस, मेज, हल, आदि जमाबड़ा देखा जा सकता हैं हलेना के वार्डों में बार्ड नम्बर 8 की गली में कई सालों से ओमी पिता दरब सोलंकी जाट ने कृषि यन्त्र (मेज) को रख कर कब्जा कर रखा है पास रहने वाले निवासी राकेश कोठेनियां ने कई बार निवेदन किया गिर भी लड़ाई को उतारू होने लगे। पास में ही पूर्व सरपंच दीपेश जाटव भी रहता है। ये गली बाला रास्ता बारा, सिरस . से ल्लँ सख्या 21 नेशनल हाईवे से मिलता है दिन रात इस रास्ते आगमन होता रहता है लोगो का और धनतेरस पर कार टकराई थी। रास्ते में रखे कब्जे से काफी कई बार नुकसान हो गया गली में अधेरा और किए कब्जे से हादसा हो गया नब निर्वाचित सरपंच मनीषा, अन्नू ठाकुर को भी इस समस्या के लिए ज्ञापन सौंपा। बार्ड के मेम्बर को भी अवगत करवाया जा चुका हैं।

छत से कूदा युवक दोनों पैरों में फैक्चर



रिपोर्ट...राकेश कोठेनियां

बयाना (भरतपुर) कस्बे में स्थित भगवती कॉलोनी के घर में घुसने के आरोप के बाद पुलिस को सूचना दिए जाने से घबराए एक युवक ने छत से छलांग लगा दी थी। छत से नीचे गिरने के कारण युवक के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं और उसके दोनों पैर टूट गए हैं। घायल युवक की पहचान खोहरा निवासी राजेश धाकड़ के रूप में की गई है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया था।घायल युवक राजेश धाकड़ और दूसरे पक्ष के बीच पहले से ही कोई पुराना विवाद चल रहा है, जिसका मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। घटना के दिन युवक के घर में आने को लेकर विवाद बढ़ गया था और दूसरे पक्ष ने घर में घुसने का आरोप लगाते हुए पुलिस को कॉल कर दिया था।

15 नवंबर को रिमेंबरेंस डे पर सड़क हादसों में जान गंवाने वालों को दी जाएगी श्रद्धांजलि होगा आयोजन

कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को करेंगे याद, गुड सेमेरिटन और चिकित्सा कर्मियों का होगा सम्मान

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया)

जिला परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की ओर से 15 नवंबर 2026 को वर्ल्ड डे ऑफ रिमेंबरेंस फॉर रोड ट्रैफिक विक्टिम्स (विश्व सड़क दुर्घटना पीड़ित स्मृति दिवस) का आयोजन किया जाएगा। जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव ने बताया कि इस अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं में अब तक अपनी जान गंवा चुके लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। साथ ही दुर्घटनाओं में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके दुख में सहभागी बनने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिला परिवहन विभाग के साथ यातायात पुलिस चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, नगर परिषद, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, स्वयंसेवी संस्थान आयोजन में अपनी भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान कैंडल मार्च एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित की



जाएगी। कैंडल मार्च के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में दिवंगत हुए लोगों को याद करने के साथ ही आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस दौरान लोगों को यातायात नियमों की पालना करने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने का संदेश दिया जाएगा।

विभाग की ओर से सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने वाले चिकित्साकर्मियों, एम्बुलेंस चालकों एवं घायलों की मदद के लिए आगे आने वाले गुड सेमेरिटन (नेक मददगारों) को भी सम्मानित किया जाएगा। इन लोगों ने संकट की घड़ी में तत्परता दिखाकर कई अनमोल जिंदगियों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही दुर्घटनाओं के पीड़ित परिवारों के प्रति समाज की संवेदनशीलता बढ़ाना और सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन का रूप देना है। विभाग का संदेश है कि प्रत्येक व्यक्ति यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ दूसरों की जिंदगी भी सुरक्षित रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाए, क्योंकि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही किसी परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन सकती है।

संपादकीय

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं।

डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी: विकास की कीमत चुका रहा आम उपभोक्ता?

सी.ए. डॉ. शंकर अंदानी

पेट्रोल केवल वाहन चलाने का ईंधन नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन, कृषि, व्यापार और दैनिक जीवन की गति से जुड़ा महत्वपूर्ण संसाधन है। पेट्रोल की कीमतों में होने वाला बदलाव सीधे आम आदमी के घरेलू बजट और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग हर वस्तु की कीमत को प्रभावित करता है। वर्ष 2014 से 2026 तक भारत में पेट्रोल की कीमतों का सफर आर्थिक नीतियों, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के बाजार, रुपये की विनिमय दर, केंद्र और राज्य सरकारों के कर तथा वैश्विक संकटों से प्रभावित रहा है

इस अवधि का मूल्यांकन केवल पेट्रोल के दाम देखकर नहीं, बल्कि यह समझकर करना आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता होने पर उपभोक्ता को कितना लाभ मिला और महँगा होने पर कितना बोझ उठाना पड़ा।

1. वर्ष 2014 से 2026 तक कीमतों का सफर

दिल्ली में पेट्रोल के वार्षिक औसत खुदरा मूल्य के उपलब्ध आंकड़े इस बदलाव को स्पष्ट करते हैं।

इन आंकड़ों से पता चलता है कि 2015-16 में अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण पेट्रोल सस्ता हुआ था। लेकिन उसके बाद कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहा। 2021-22 में औसत कीमत लगभग 98 रुपये प्रति लीटर तक पहुँच गई। इसके बाद कुछ कमी आई, लेकिन पेट्रोल के दाम पुराने स्तर पर वापस नहीं लौटे।

2. अंतरराष्ट्रीय बाजार और कच्चे तेल का प्रभाव

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसलिए, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने पर भारत का आयात बिल बढ़ता है। डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना भी तेल आयात को महँगा बनाता है।

वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के कारण वैश्विक मांग घटने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई। लेकिन 2021 में अर्थव्यवस्था खुलने के बाद मांग बढ़ी। वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार को प्रभावित किया। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में अस्थिरता बढ़ी।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कच्चे तेल की कीमत और पेट्रोल पंप की कीमत एक समान अनुपात में नहीं बदलतीं। रिफाइनिंग, परिवहन, डीलर कमीशन और सरकारी कर भी अंतिम कीमत निर्धारित करते हैं।

3. केंद्र सरकार के कर और पेट्रोल की कीमत

पेट्रोल की खुदरा कीमत में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और राज्य सरकारों का वैट महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा डीलर कमीशन और अन्य लागतें भी जुड़ती हैं। अप्रैल 2014 में पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क लगभग 9.48 रुपये प्रति लीटर था। नवंबर 2014 से जनवरी 2016 के बीच कई बार उत्पाद शुल्क बढ़ाया गया और जनवरी 2016 तक यह 21.48 रुपये प्रति लीटर हो गया। मई 2020 में यह बढ़कर 32.98 रुपये प्रति लीटर तक पहुँचा।

कुलगाम हमला: पाकिस्तान की नापाक साजिशों का निर्णायक जवाब जरूरी

अशोक भाटिया



जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के मीर बाजार स्थित अखरान इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के नाके पर हुआ कायराना आतंकी हमला एक बार फिर सीमा पार से संचालित हो रही आतंकी फैक्ट्री की हताशा और दुस्साहस का प्रमाण है। दिनदहाड़े मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए आतंकियों ने महज पंद्रह सेकंड के भीतर तीस राउंड गोलियां बरसाकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि घाटी में अमन-चैन की बहाली उन्हें रास नहीं आ रही है। इस हमले में की 46वीं बटालियन के तीन जांबाज जवान घायल हुए हैं, जिन्होंने घायल अवस्था में भी अदम्य साहस का परिचय देते हुए पलटवार किया और आतंकियों को भागने पर मजबूर कर दिया। यह हमला ठीक उस दिन अंजाम दिया गया जब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल स्वयं कुलगाम में एक कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। साफ है कि यह कोई सामान्य वारदात नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने और पर्यटकों व स्थानीय नागरिकों के मन में दहशत पैदा करने की नापाक कोशिश है। विडंबना यह है कि जिस पाकिस्तान के इशारे पर यह खूनी खेल खेला जा रहा है, वह स्वयं अपने ही बोए हुए कांटों में बुरी तरह उलझा हुआ है। रावलपिंडी के सैन्य मुख्यालय और इस्लामाबाद के सत्ता के गलियारों में बैठे हुक्मरानों को अपना घर संभाले नहीं संभल रहा है, लेकिन भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़ने की उनकी पुरानी बीमारी जाने का नाम नहीं ले रही है। अब समय आ गया है कि भारत केवल निंदा और तलाशी अभियानों तक सीमित न रहे, बल्कि पाकिस्तान को एक बार फिर उसी की भाषा में ऐसा निर्णायक सबक सिखाए, जिसकी गूंज दशकों तक उसके कानों में सुनाई देती रहे।

कश्मीर घाटी में पिछले कुछ वर्षों के दौरान आए ऐतिहासिक बदलावों ने पाकिस्तान और उसके पालतू आतंकी संगठनों की नींद उड़ा दी है। अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद जिस तेजी से घाटी में विकास की धारा बही है, रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं और स्थानीय युवाओं ने पत्थरबाजी छोड़कर मुख्यधारा का हाथ थामा है, उससे सीमा पार बैठे आकाओं की जमीन खिसक गई है। कुलगाम का यह हमला इसी बौखलाहट का नतीजा है। जब आतंकियों के स्थानीय नेटवर्क ध्वस्त हो चुके हैं और उन्हें पनाह देने वाले हाथ कम पड़ने लगे हैं, तब वे ह्यहिट एंड रनह्ल जैसी कायरतापूर्ण रणनीति अपनाकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का भ्रम पाल रहे हैं। हमलावर बाइक पर आते हैं, अंधाधुंध फायरिंग करते हैं और गलियों का फायदा उठाकर भाग निकलते हैं। यह उनकी ताकत नहीं, बल्कि उनकी चरम कायरता और पस्त हौसले की निशानी है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सांप चाहे कितना ही घायल क्यों न हो, उसके फन को कुचलना ही एकमात्र स्थायी समाधान होता है। हमारे जवानों का खून यूं ही सड़कों पर बहने के लिए नहीं है। हर एक गोली का हिसाब सिर्फ उन भाड़े के आतंकियों से नहीं, बल्कि उन आकाओं से भी लिया जाना चाहिए जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बैठकर इन्हें हथियार, पैसा और प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं।

पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति आज किसी से छिपी नहीं है। आर्थिक रूप से कंगाली की कगार पर खड़ा यह देश अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के रहमोकरम पर सांसें ले रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव ने वहां की आम जनता की कमर तोड़ दी है। लेकिन इससे भी बड़ा संकट पाकिस्तान की भौगोलिक और राजनीतिक अखंडता पर मंडरा रहा है। बलूचिस्तान में आजादी की चिंगारी अब एक भयंकर ज्वालामुखी बन चुकी है। बलूच विद्रोही आए दिन पाकिस्तानी सेना के काफिलों, चौकियों और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बना रहे हैं, जिससे पाकिस्तानी फौज के हौसले पस्त हैं। दूसरी ओर, खैबर पख्तूनख्वा और कबायली इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने सरकार और सेना की नाक में दम कर रखा है। खुद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में वहां की जनता अपने ही हुक्मरानों के खिलाफ सड़कों पर उतरी हुई है। आटे, बिजली और बुनियादी अधिकारों के लिए ढङ्घड के नागरिकों का विद्रोह इस बात का सबूत है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे से अब वहां की जनता भी मुक्ति चाहती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जो मुल्क अपने ही सूबों को संभालने में नाकाम है, जिसकी सेना अपने ही नागरिकों पर गोलियां चला रही है और जो गृहयुद्ध जैसे हालात से जूझ रहा है, वह भारत में आतंकवाद फैलाने की जुर्रत कैसे कर रहा है?

दरअसल, पाकिस्तान की फौज और खुफिया एजेंसी करक का अस्तित्व ही भारत विरोध की बुनियाद पर टिका है। जब-जब पाकिस्तान में आंतरिक संकट गहराता है, वहां की जनता का ध्यान बंटाने और अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए पाकिस्तानी जनरल कश्मीर का राग अलापने लगते हैं। बलूचिस्तान और ढङ्घड में मिल रही करारी शिकस्त से ध्यान भटकाने के लिए ही कुलगाम जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जाता है, ताकि पाकिस्तानी आवाम को यह दिखाया जा सके कि उनकी फौज अब भी भारत को चोट पहुंचाने की ताकत रखती है। यह पाकिस्तान की पुरानी और घिसी-पिटी चाल है। भारत ने उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक करके यह स्पष्ट कर दिया था कि नया भारत घर में घुसकर मारने का माद्दा रखता है। उन कठोर कार्रवाइयों के बाद कुछ समय तक पाकिस्तान के होश ठिकाने रहे, लेकिन ऐसा लगता है कि लातों के भूत बातों से मानने वाले नहीं हैं। अब समय का तकाजा है कि भारत अपनी नीति में एक और बड़ा और निर्णायक मोड़ ले।

आतंकवाद के खिलाफ हमारी रणनीति अब केवल रक्षात्मक या प्रतिक्रियात्मक नहीं हो सकती। यह ठीक है कि कुलगाम हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली है और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। निस्संदेह, इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकी जल्द ही अपने अंजाम तक पहुंचा दिए जाएंगे। लेकिन सिर्फ प्यादों को मारने से शतरंज का खेल खत्म नहीं होता, इसके लिए वजीर और बादशाह पर सीधा प्रहार करना जरूरी है। ढङ्घड में आज भी आतंकी कैंप और लॉन्च पैड सक्रिय हैं, जहां से घुसपैठ की साजिशें रची जाती हैं। भारत को अब अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के साथ-साथ सैन्य विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सीमा पार से होने वाली हर एक नापाक हरकत की कीमत पाकिस्तान को अपनी जमीन, अपने सैन्य ठिकानों और अपने आतंकी बुनियादी ढांचे के विनाश के रूप में चुकानी पड़े। इसके साथ ही, बलूचिस्तान और ढङ्घड में चल रहे मानवाधिकार उल्लंघनों और जनआंदोलनों को वैश्विक मंचों पर पूरी ताकत से उठाना होगा, ताकि दुनिया पाकिस्तान के असली चेहरे को देख सके।

आंतरिक मोर्चे पर भी हमें अपनी सतर्कता और खुफिया तंत्र को और अधिक धारदार बनाना होगा। कुलगाम हमले से पहले एक संदिग्ध किशोर द्वारा नाके पर आकर धमकी देने जैसी बातें सामने आना यह दर्शाता है कि आतंकियों के ह्यओवर ग्राउंड वर्करसह्ल और स्लीपर सेल अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। ये वे दीमक हैं जो समाज के भीतर रहकर देश की सुरक्षा को खोखला करते हैं। सुरक्षा एजेंसियों को इन गद्दारों की पहचान कर इनकी संपत्तियों को जब्त करने और कठोरतम कानूनी कार्रवाई करने में जरा भी संकोच नहीं करना चाहिए। स्थानीय स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने के तंत्र को इतना मजबूत किया जाना चाहिए कि आतंकी अपनी मांद से निकलने से पहले ही दबोच लिए जाएं। यह देश आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां वह अपने सैनिकों की शहादत या उनके लहू की एक भी बूंद को बर्बाद होते नहीं देख सकता।

पाकिस्तान को यह साफ संदेश मिल जाना चाहिए कि भारत की सहनशीलता उसकी कमजोरी नहीं है। यदि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है, तो भारत को न केवल उसके आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूद करना होगा, बल्कि ढङ्घड को उसके अवैध कब्जे से मुक्त कराने की दिशा में भी निर्णायक कदम उठाने होंगे। यही कुलगाम के घायल जवानों के प्रति सच्ची संवेदना और देश के प्रति हमारा सर्वोच्च कर्तव्य होगा।

जियो का मुफ्त जाल और जिंदगी भर की वसूली

डॉ. सत्यवान सौरभ



आधुनिक अर्थव्यवस्था में निजीकरण को विकास, प्रतिस्पर्धा और बेहतर सेवाओं का पर्याय बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। तर्क दिया जाता है कि निजी कंपनियाँ सरकारी संस्थानों की तुलना में अधिक कुशल होती हैं, उनकी सेवाएँ बेहतर होती हैं और वे उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प उपलब्ध कराती हैं। लेकिन इस चमकदार तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। जब शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, परिवहन और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएँ सार्वजनिक सेवा के बजाय मुनाफा कमाने का माध्यम बन जाती हैं, तब समाज में आर्थिक असमानता और शोषण की संभावनाएँ बढ़ने लगती हैं। सवाल यह नहीं है कि निजी क्षेत्र को कारोबार करने का अधिकार होना चाहिए या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या नागरिकों की बुनियादी जरूरतों को पूरी तरह बाजार की शक्तियों के भरोसे छोड़ देना उचित है?

दूरसंचार क्षेत्र इसका एक दिलचस्प उदाहरण है। जियो के आगमन ने भारतीय दूरसंचार बाजार में बड़ा बदलाव किया। शुरूआती दौर में मुफ्त कॉलिंग और सस्ते इंटरनेट की पेशकश ने करोड़ों लोगों को डिजिटल दुनिया से जोड़ा। इंटरनेट का विस्तार हुआ, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और सूचना तक पहुँच आसान हुई। निश्चित रूप से इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। लेकिन इस बदलाव के साथ एक ऐसी उपभोक्ता संस्कृति विकसित हुई, जिसमें मुफ्त और सस्ती सेवाओं के आकर्षण ने लोगों को निजी कंपनियों पर पहले से अधिक निर्भर बना दिया। एक समय था जब अनेक लोगों के पास एक ही मोबाइल सिम होती थी, लेकिन सस्ते रिचार्ज, अलग-अलग नेटवर्क और आकर्षक योजनाओं के कारण कई लोगों ने एक से अधिक सिम रखना शुरू कर दिया। बाजार में प्रतिस्पर्धा के नाम पर शुरू हुई यह प्रक्रिया धीरे-धीरे उपभोक्ता की आदतों और निर्भरता को प्रभावित करने लगी।

यहाँ समझने वाली बात है कि कोई भी निजी कंपनी अंततः अपने निवेश, बाजार हिस्सेदारी और लाभ को ध्यान में रखकर काम करती है। मुफ्त या बेहद सस्ती सेवा हमेशा स्थायी जनकल्याण की नीति नहीं होती। शुरूआती आकर्षण के बाद शुल्क बढ़ सकते हैं, योजनाओं की शर्तें बदल सकती हैं और उपभोक्ता के सामने सीमित विकल्प रह सकते हैं। जब किसी क्षेत्र में कुछ बड़ी कंपनियों का प्रभाव अत्यधिक बढ़ जाता है, तब वास्तविक प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ने का खतरा भी पैदा होता है। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता के पास विकल्प तो दिखाई देते हैं, लेकिन उसकी मोलभाव करने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए किसी कंपनी की लोकप्रियता को ही उपभोक्ता हितों की गारंटी मान लेना उचित नहीं है।

निजीकरण की सबसे बड़ी समस्या तब सामने आती है, जब इसका विस्तार उन क्षेत्रों में होने लगता है जिन पर आम नागरिक का जीवन निर्भर करता है। शिक्षा को ही देखिए। यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल महंगे निजी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध होगी, तो गरीब परिवारों के बच्चों के लिए समान अवसर कैसे सुनिश्चित होंगे? स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण यदि बिना प्रभावी नियमन के आगे बढ़ेगा, तो गंभीर बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट में धकेल सकती है। बिजली, पानी और परिवहन जैसी सुविधाओं में भी यदि लाभ कमाना ही प्रमुख उद्देश्य बन जाए, तो कमजोर आय वर्ग के नागरिकों पर सबसे अधिक बोझ पड़ता है। बाजार की अपनी उपयोगिता है, लेकिन बाजार सामाजिक न्याय का विकल्प नहीं हो सकता। बाजार वहाँ निवेश करता है जहाँ लाभ की संभावना अधिक होती है। इसके विपरीत, सरकारी व्यवस्था का मूल दायित्व उन क्षेत्रों और लोगों तक सुविधाएँ पहुँचाना भी है जहाँ आर्थिक लाभ कम या नगण्य हो सकता है। दूरदराज के गाँवों में विद्यालय चलाना, पिछड़े क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करना, गरीब परिवारों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार करना सरकार की जिम्मेदारी है। इन सेवाओं का मूल्य केवल आर्थिक लाभ से नहीं आँका जा सकता। इनका वास्तविक मूल्य सामाजिक सुरक्षा, समान अवसर और नागरिक गरिमा में निहित है।

निजीकरण का एक गंभीर परिणाम सामाजिक विभाजन के रूप में भी दिखाई देता है। जब सुविधाएँ खरीदने की क्षमता के आधार पर मिलने लगती हैं, तब समाज दो वर्गों में बँटता चला जाता है। एक वर्ग महंगे अस्पतालों, प्रतिष्ठित विद्यालयों, निजी परिवहन और बेहतर संचार सुविधाओं का लाभ उठाता है, जबकि दूसरा वर्ग सीमित संसाधनों में अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। धीरे-धीरे अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण जीवन आर्थिक हैसियत से जुड़ जाते हैं। इस प्रकार अमीरी और गरीबी का अंतर केवल आय तक सीमित नहीं रहता, बल्कि अवसरों और जीवन की गुणवत्ता में भी दिखाई देने लगता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकारी व्यवस्थाएँ पूरी तरह दोषमुक्त हैं। सरकारी संस्थानों में भ्रष्टाचार, कर्मचारियों की कमी, जवाबदेही का अभाव, संसाधनों का दुरुपयोग और प्रशासनिक लापरवाही जैसी समस्याएँ मौजूद हैं। लेकिन इन कमियों का समाधान सरकारी संस्थानों को कमजोर करना या उन्हें निजी हाथों में सौंप देना नहीं है। आवश्यकता सरकारी संस्थानों में सुधार, पारदर्शिता, आधुनिक तकनीक, पर्याप्त बजट और प्रभावी जवाबदेही सुनिश्चित करने की है। यदि कोई सरकारी अस्पताल ठीक से काम नहीं कर रहा, तो उसका समाधान अस्पताल को बंद करना नहीं, बल्कि चिकित्सकों, दवाओं, उपकरणों और प्रबंधन की व्यवस्था बेहतर करना है। यदि सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता कमजोर है, तो समाधान सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना होना चाहिए।

सोनिया गांधी की किताब से कांग्रेस को मिलेगा सियासी फायदा?

सौरभ वार्ष्णेय

किसी भी राजनेता की किताब केवल उसके जीवन की घटनाओं का संकलन नहीं होती, बल्कि वह उसके व्यक्तित्व, विचारधारा, संघर्ष और राजनीतिक दृष्टिकोण को समझने का एक माध्यम भी होती है। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब ह्यबिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लवह्ल इन दिनों राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। किताब को लेकर सोशल मीडिया से लेकर समाचार माध्यमों तक बहस छिड़ी हुई है। कोई इसे सोनिया गांधी के जीवन और संघर्ष की प्रेरक कहानी बता रहा है, तो कोई इसमें लिखी बातों को राजनीतिक नजरिये से देख रहा है।

इस किताब का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके माध्यम से देश के आम नागरिकों को सोनिया गांधी के उस व्यक्तित्व और विचारधारा को समझने का अवसर मिल सकता है, जिससे वे अब तक पूरी तरह परिचित नहीं रहे हैं। भारतीय राजनीति में सोनिया गांधी का नाम लंबे समय से चर्चा और विवादों के केंद्र में रहा है। उनके राजनीतिक जीवन का एक बड़ा हिस्सा विदेशी मूल के मुद्दे को लेकर हुए विरोध और आरोप-प्रत्यारोप के बीच गुजरा है। विपक्षी दलों ने समय-समय पर उनके विदेशी मूल को राजनीतिक हथियार बनाया और इसी मुद्दे के सहारे कांग्रेस नेतृत्व को घेरने की कोशिश की।

लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी व्यक्ति का जन्म किसी दूसरे देश में होना ही उसके पूरे व्यक्तित्व और देश के प्रति उसके योगदान का मूल्यांकन करने का आधार होना चाहिए? सोनिया गांधी ने विवाह के बाद भारत को अपना घर बनाया, भारतीय समाज और संस्कृति के बीच अपना जीवन बिताया और बाद में देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके राजनीतिक निर्णयों से असहमति हो सकती है, उनके नेतृत्व की आलोचना भी की जा सकती है, लेकिन उनके जीवन और विचारों को समझे बिना केवल विदेशी मूल के आधार पर उनका मूल्यांकन करना लोकतांत्रिक बहस को सीमित करता है।

सोनिया गांधी की इस किताब की चर्चा इसलिए भी अधिक हो रही है क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के उन अनुभवों को सार्वजनिक करने का प्रयास किया है, जिनके बारे में अब तक अलग-अलग लोगों और राजनीतिक विश्लेषकों के माध्यम से बातें सामने आती रही हैं। किताब में इटली में बचपन, राजीव गांधी से मुलाकात, विवाह के बाद भारत में जीवन, इंदिरा गांधी के साथ संबंध, परिवार में हुई दुखद घटनाओं और राजनीति में उनकी भूमिका जैसे पहलुओं को स्थान दिया गया है। सोनिया गांधी ने स्वयं भी यह कहा है कि उनके बारे में वर्षों से लिखी गई कई बातें सही नहीं थीं और वह अपनी कहानी अपने शब्दों में बताना चाहती थीं।

इस किताब के प्रकाशन से पहले ही विवाद शुरू हो गया था। पहले पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ प्रकाशन को लेकर सहमति नहीं बन पाई और बाद में हार्परकॉलिन्स ने इसे प्रकाशित किया। बताया गया कि पांडुलिपि के कुछ हिस्सों में संपादकीय बदलावों को लेकर मतभेद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस और देश की समकालीन राजनीतिक परिस्थितियों से जुड़े संदर्भ भी चर्चा में रहे। ऐसे में किताब का प्रकाशन केवल साहित्यिक घटना न रहकर राजनीतिक बहस का विषय बन गया।

कैंसर दवा सस्ती करने में बरसों, वाहवाही बटोरने में पल भर

प्रो. आरके जैन अरिजीत

कैंसर के मरीज के लिए दवा की कीमत केवल पैसों का सवाल नहीं, जिंदगी बचाने की उम्मीद होती है। किसी अपने को बचाने के लिए जूझ रहे परिवार के लिए 40 हजार रुपये की दवा मजबूरी बन जाती है और 40 रुपये की बचत भी मायने रखती है। ऐसे में वर्षों से आसमान छू रही कैंसर की दवाओं की कीमतों में 50 से 96 प्रतिशत तक की गिरावट बड़ी राहत है। लेकिन सवाल है कि जब सरकार के पास कीमतों पर लगाम लगाने का अधिकार पहले से था, तो मरीजों को इस राहत के लिए इतने साल क्यों इंतजार करना पड़ा? क्या सरकार को आम आदमी की पीड़ा तब तक दिखाई नहीं देती, जब तक अदालत को हस्तक्षेप कर सवाल उठाने न पड़ें और व्यवस्था की नींद न टूटे?

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित किया है। 9 नवंबर 2026 से लागू इस फैसले से कई दवाओं की कीमतें 50 से 96 प्रतिशत तक घटी हैं। कभी 40-45 हजार रुपये में बिकने वाली कुछ दवाएं अब दो-तीन हजार रुपये में मिल रही हैं। सरकार/मंत्रालय के अनुसार, इससे मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत का अनुमान है। 85 कंपनियों ने 121 दवाओं की कीमतें संशोधित की हैं और 1,364 फॉर्मूलेशन प्रभावित हुए हैं। फैसला राहत देने वाला है, लेकिन इसे सरकारी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करना उन मरीजों और परिवारों की पीड़ा भुलाना होगा, जिन्होंने महंगी दवाओं के लिए जमा-पूंजी, संपत्ति और अपनों तक को खो दिया।

आखिर कैंसर की दवाएं इतनी महंगी क्यों थीं? दवा की वास्तविक कीमत और मरीज तक पहुंचते-पहुंचते उसकी खुदरा कीमत में इतना बड़ा अंतर कैसे पैदा हो गया कि एक इंजेक्शन या कैप्सूल के लिए कई गुना रकम वसूली जाने लगी? ऊंचे ट्रेड मार्जिन ने दवा कंपनियों, वितरकों, थोक विक्रेताओं और खुदरा कारोबारियों के मुनाफे बढ़ाए, लेकिन इसकी कीमत मरीजों ने चुकाई। कैंसर से जूझता मरीज न दवा छोड़ सकता था, न कीमत पर सवाल उठा सकता था। बीमारी से टूटे परिवारों पर महंगे इलाज का आर्थिक बोझ भी लदता गया। शोध और विकास पर खर्च तथा कारोबारी मुनाफे के अपने तर्क हैं, लेकिन जीवनरक्षक दवाओं के कारोबार में मुनाफे की इतनी खुली छूट आखिर कैसे उचित ठहराई जा सकती है?

इस महंगाई की सबसे बड़ी कीमत उन परिवारों ने चुकाई, जिन्होंने अपनों को बचाने के लिए जीवनभर की कमाई लगा दी। किसी ने बेटी की शादी की रकम खर्च की, किसी मां ने गहने गिरवी रखे, तो किसी पिता ने घर-जमीन बेच दी। इसका कोई सरकारी हिसाब नहीं है। मध्यवर्ग की बचत खत्म हुई और गरीबों के लिए इलाज शुरू करना भी मुश्किल हो गया। अगली खुराक के पैसे न होने से इलाज अधूरा छूटा, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई और परिवार कर्ज में डूबे। गांवों और छोटे शहरों में अनेक लोगों ने आर्थिक मजबूरी में इलाज की उम्मीद छोड़ दी। महंगी दवाओं ने कैंसर की मार और बढ़ा दी। यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, गंभीर सामाजिक त्रासदी थी।

दवाओं की कीमतें नियंत्रित करने के अधिकार सरकार और एनपीपीए के पास पहले से थे, फिर भी मरीज वर्षों तक महंगी दवाओं का बोझ उठाते रहे।

होम लोन,पर्सनल लोन और अन्य प्रकार के ऋण अब हो जाएंगे महंगे

एचडीएफसी बैंक ने की एमसीएलआर की दरें बढ़ाने की घोषणा

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट में बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे बैंक से जुड़े होम लोन, पर्सनल लोन और अन्य प्रकार के ऋण अब महंगे हो जाएंगे। यह वृद्धि 7 नवंबर से प्रभावी हो चुकी है। बैंक ने अलग-अलग अवधियों के लिए एमसीएलआर में 5 से 15 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी की है। इस बदलाव के बाद, एचडीएफसी बैंक की नई एमसीएलआर दरें अब 7.85फीसदी से बढ़कर 8.70फीसदी के दायरे में आ गई हैं, जो पहले 7.75फीसदी से 8.55फीसदी के बीच थीं। उदाहरण के लिए ओवरनाइट दर में 5 बीपीएस की वृद्धि हुई है, जबकि 1 साल, 2 साल और 3 साल की अवधि के लिए दरें 15 बीपीएस तक बढ़ी हैं। एमसीएलआर वह न्यूनतम ब्याज दर होती है जिससे कम पर कोई भी बैंक किसी ग्राहक को ऋण नहीं दे सकता। यह बैंकों के लिए ऋण देने की एक आधार दर होती है। यदि आपका होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन एमसीएलआर से जुड़ा है, तो इसका सीधा असर ईएमआई पर पड़ता है। हालांकि फ्लोटिंग रेट वाले एमसीएलआर ऋणों में ब्याज दर रीसेट तारीख तय होती है, इसलिए आपकी अगली रीसेट तारीख आने पर ही आपकी ईएमआई बढ़ेगी। यदि आपका ऋण सीधे भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट से जुड़ा है, तो इस एमसीएलआर बढ़ोतरी का आप पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एमसीएलआर पूरी तरह से बैंक के आंतरिक खर्चों पर आधारित होता है। अगर बैंक को फंड जुटाने की लागत बढ़ती है, तो वह इसकी भरपाई के लिए एमसीएलआर बढ़ा सकता है। वहीं, रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई देश के अन्य बैंकों को कर्ज देता है, और यह देश की मौद्रिक नीति का हिस्सा होता है।

तेल कंपनियों ने गैस सिलेंडर की कीमतों में नहीं की बढ़ोतरी, उपभोक्ताओं को राहत

नई दिल्ली।

देश में सरकारी तेल कंपनियां ने बुधवार को गैस सिलेंडर की नई कीमतें जारी कर दी हैं। उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वे जून से स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में बुधवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपए पर बनी हुई है। वहीं, कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 1 नवंबर को 10 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, जिसके बाद यह 2,820 रुपए प्रति सिलेंडर पर है। इसके अलावा, 5 किलोग्राम वाले छोटू सिलेंडर की कीमत 349 रुपए है। मुंबई में घरेलू सिलेंडर 941.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,774.50 रुपए में मिल रहा है, जबकि कोलकाता में घरेलू सिलेंडर 968 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,964 रुपए का है। रिपोर्ट के मुताबिक तेल कंपनियों द्वारा घरेलू गैस की कीमतों को स्थिर रखने के फैसले से आम उपभोक्ताओं को राहत मिली है। हालांकि लगातार तीन महीने से कमर्शियल गैस की बढ़ती कीमतें कारोबारी खर्चों पर असर डाल रही हैं। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों की समीक्षा करती हैं। इस समीक्षा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की विनिमय दर जैसे अहम कारकों को ध्यान में रखा जाता है। चूंकि भारत अपनी एलपीजी की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए वैश्विक बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ता है।

ट्रायम्फ की नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित

नई दिल्ली ।

ट्रायम्फ ने ईआईसीएमए 2026 में अपनी नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित की। इस मोटरसाइकिल की प्रदर्शन क्षमता और इंजन की प्रतिक्रिया बेहतर होने की उम्मीद है। इस मॉडल में 798 सीसी का नया तीन-सिलेंडर इंजन दिया जाएगा। कंपनी ने इस इंजन को अपने मोटो2 रेसिंग कार्यक्रम के अनुभव के आधार पर विकसित किया है।

स्ट्रीट ट्रिपल श्रृंखला अपनी स्पोर्टी बनावट और तेज रफ्तार के लिए जानी जाती है। नया मॉडल इसी पहचान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 में इंजन के अलावा फ्रेम में भी बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने नया फ्रेम विकसित किया है, जिसका उद्देश्य मोटरसाइकिल की मजबूती और हैंडलिंग को बेहतर बनाना है। इसके साथ डबल-साइडेड स्विंगआर्म दिया गया है। बाइक में अंडरबेली एग्जॉस्ट भी मिलता है, जो इसके डिजाइन को आधुनिक और स्पोर्टी रूप देता है। इन बदलावों से मोटरसाइकिल के संतुलन और नियंत्रण में सुधार की उम्मीद है। 798 सीसी का तीन-सिलेंडर इंजन इस मॉडल की सबसे अहम विशेषता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 772, निफ्टी 210 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 772.75 अंक उछलकर 81,879.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 210.40 अंक बढ़कर 25,255.05 पर बंद हुआ। आज बाजार में हर ओर तेजी रही, बैंकिंग शेयरों में सबसे अधिक बढ़त रही। सत्र में निफ्टी बैंक मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक में और निफ्टी प्राइवेट बैंक में भी बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो , निफ्टी कंजप्शन , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग , निफ्टी एनर्जी , निफ्टी और निफ्टी मेटल के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर निफ्टी आईटी , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर गिरे हैं। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 496.55 अंक बढकर 519.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 304.30 अंक उछलकर मजबूती के साथ 19,489.35 पर बंद हुा था। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, इंडिगो, ट्रेंट, टाटा स्टील, बीएसई, पावर ग्रिड, आईटीसी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एसबीआई, भारती



एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एनटीपीसी, इटरनल, सम फार्मा, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 1,142.03 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,248.68 पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 293.15 अंक उछलकर 25,337.80 पर आ गया।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली।

सोने और चांदी दोनों की कीमतों में बुधवार को तेजी आई। इसी कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर 2026 के वायदा अनुबंध में सोने का भाव 1,41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमतों में भी तेजी आईई। यह तेजी एक दिन पहले दर्ज की गई गिरावट के विपरीत है, और बाजार में नई हलचल पैदा कर रही है। आज एमसीएक्स पर, सोने के वायदा अनुबंध में 860 रुपये की जोरदार तेजी आई, जिससे इसका भाव 41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसी तरह, चांदी ने भी निवेशकों को आकर्षित किया, जहां एक किलो चांदी का भाव 3,780 रुपये बढ़कर 1,86,356 रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि घरेलू बाजार में कीमती धातुओं के प्रति मजबूत रुझान को दिखाती है, खासकर वायदा कारोबार में।

दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी बरकरार है। वैश्विक स्तर पर, सोना 21.30 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4,051.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 1.105 डॉलर की तेजी के साथ 52.33 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वैश्विक स्तर पर बढ़ती कीमतें अक्सर घरेलू बाजार पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। इसके विपरीत राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को सोने का भाव 500 रुपये फिसलकर 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया था। सोमवार को 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस गिरावट ने बाजार में थोड़ी चिंता पैदा की थी, जबकि चांदी की कीमत लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में 1,92,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही थी।

व्हर्लपूल ने अपने घरेलू उपकरणों की कीमतों में की 5 फीसदी की बढ़ोतरी

फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन और अन्य उपकरण खरीदने चुकाने होंगे ज्यादा पैसे

नई दिल्ली।

यदि आप अपने घर के लिए नए घरेलू उपकरण खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपको ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। प्रमुख घरेलू उपकरण निर्माता कंपनी व्हर्लपूल ने अपने सभी उत्पादों की कीमतों में 5 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा की है, जो 1 नवंबर, 2026 से लागू हो चुकी हैं। कंपनी ने इस वृद्धि के पीछे कई प्रमुख कारण बताए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिसने कच्चे माल की लागत बढ़ा दी है। इसके अलावा, कमोडिटी की महंगाई, भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट और बढ़ती उत्पादन लागत ने भी कंपनी के मार्जिन पर दबाव डाला है।

व्हर्लपूल ने बताया कि रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर से जुड़े नए ऊर्जा नियमों के कारण भी खर्च में वृद्धि हुई है, साथ ही लक्जरी प्रोडक्ट रेंज की लॉन्चिंग पर किए गए निवेश का असर भी कीमतों पर पड़ा है। इस बढ़ोतरी का मतलब है व्हर्लपूल के फ्रिज, एयर कंडीशनर, वॉशिंग मशीन और अन्य घरेलू उपकरण खरीदने के लिए ग्राहकों को अब पहले की तुलना में ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के दौरान घरेलू उपकरणों की खरीदारी बढ़ने की उम्मीद रहती है, जिससे उपभोक्ताओं के बजट पर सीधा असर पड़ेगा। यह केवल व्हर्लपूल तक ही सीमित नहीं है।

दिग्गज वैश्विक बैंक बांग्लादेश से समेट रहे अपना रिटेल कारोबार

देश में बैंकिंग ऋणों का करीब एक-तिहाई हिस्सा नॉन-परफॉर्मिंग लोन बन चुका

ढाका।

एचएसबीसी के बाद अब स्टैंडर्ड चार्टर्ड जैसे दिग्गज वैश्विक बैंकों ने बांग्लादेश से अपना रिटेल कारोबार समेटने का फैसला लिया है। यह कदम देश के बैंकिंग क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है, जहां विदेशी बैंक छोटे ऋण और क्रेडिट कार्ड जैसे उच्च-लागत, कम-लाभ वाले व्यवसायों से पीछे हट रहे हैं। बांग्लादेश का बैंकिंग सेक्टर इस समय गहरे संकट से जूझ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह क्षेत्र नॉन-परफॉर्मिंग लोन (एनपीए), पूंजी की कमी, कमजोर कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कई अनियमितताओं की समस्याओं से घिरा हुआ है।

साल 2026 में देश के कुल बैंकिंग ऋणों का करीब एक-तिहाई हिस्सा नॉन-परफॉर्मिंग लोन बन चुका है, जिसका अर्थ है कि बैंकों द्वारा दिया गया लगभग 33फीसदी कर्ज वापस मिलने की कगार पर नहीं है। देश के बैंकिंग सिस्टम में राजनीतिक प्रभाव में बांटे गए असुरक्षित लोन, भाई-भतीजावाद और बड़े डिफाल्टरों पर सख्त कार्रवाई न होने जैसे मामलों के कारण विश्वसनीयता में कमी आई है। ऐसे अस्थिर और जोखिम भरे माहौल में वैश्विक बैंक काम करने से बचते हैं। जानकारों के मुताबिक यह सिर्फ बांग्लादेश तक सीमित नहीं है, बल्कि ये बैंक वैश्विक स्तर पर अपनी पूंजी उन चुनिंदा बाजारों में लगा रहे हैं जहां उन्हें कम जोखिम में ज्यादा रिटर्न मिले।



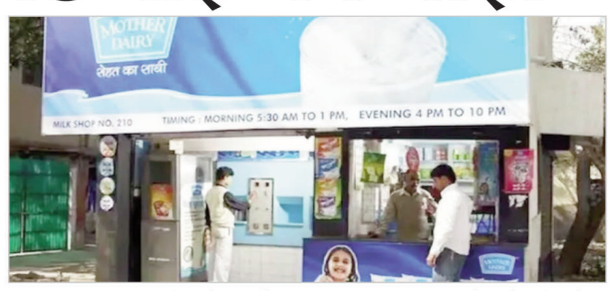
अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने बांग्लादेश को अपनी बैंकिंग व्यवस्था में पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता में सुधार करने की सलाह दी है। दो बड़े अंतर्राष्ट्रीय बैंकों का एक साथ देश के रिटेल सेक्टर से हटना विदेशी निवेशकों और वैश्विक बाजारों में गलत मैसेज जाता है, जिससे बांग्लादेश की साख को नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि जानकारों का मानना है कि इन विदेशी बैंकों के पीछे हटने से बांग्लादेश के मजबूत स्थानीय बैंक रिटेल ग्राहकों और क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो को खरीदकर अपना दायरा बढ़ा सकते हैं।

मदर डेयरी के दूध की कीमतें बढ़ीं, उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ

नई दिल्ली ।

देश की राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में दूध की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने बढ़ती लागत का हवाला देकर अपने विभिन्न प्रकार के दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की है। ये नई दरें 12 नवंबर, गुरुवार से प्रभावी होंगी। कंपनी ने कदम किसानों से दूध की खरीद कीमतों में हुई वृद्धि के कारण उठाया है, जिसका कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। सूत्रों ने जानकारी दी कि मदर डेयरी अपनी बिक्री आय का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 75-80 प्रतिशत, दूध उत्पादक किसानों को देती है। यह बढ़ोतरी कंपनी द्वारा पहले मई 2026 और अप्रैल 2025 में की गई मूल्य वृद्धि के बाद हुई है।

मदर डेयरी के प्रवक्ता ने हालांकि इस मामले पर टिप्पणी करने से इंकार किया है। ताजा संशोधन के बाद, प्रमुख किस्मों की कीमतें इस प्रकार होंगी- टोंड दूध (थोक वितरण) 58 रुपए से बढ़कर 60 रुपए प्रति लीटर, फुल क्रीम दूध (पाउच) 72 रुपए से



बढ़कर 76 रुपए प्रति लीटर, टोंड दूध (पाउच) 60 रुपए से बढ़कर 62 रुपए प्रति लीटर, डबल टोंड दूध 54 से बढ़कर 56 रुपए प्रति लीटर और गाय का दूध 62 से बढ़कर 65 रुपए प्रति लीटर हो जाएगा। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रतिदिन करीब 35 लाख लीटर दूध की आपूर्ति करती है, जबकि देश भर में इसकी कुल दैनिक बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है।

दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में गिरावट, भारत में नहीं आया बदलाव

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में जमकर गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के बेहद करीब आ गया है, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल की औसत कीमतें 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई हैं। वहीं इसके विपरीत डीजल की कीमतों में बढ़त आई है। दूसरी ओर भारत की बात करें तो कीमतों में बदलाव नहीं आया है। आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया में पेट्रोल की औसत कीमत जहां 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई है, वहीं डीजल की औसत कीमत 158.73 रुपये से बढ़कर 159.05 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके मुकाबले, भारत में पेट्रोल का औसत रेट लगभग 108 रुपये प्रति लीटर और डीजल का 98.10 रुपये प्रति लीटर है।दुनिया भर के विभिन्न देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी अंतर देखने को मिलता है। वेनेजुएला में एक लीटर डीजल लगभग 40 पैसे और पेट्रोल 3.31 रुपये में उपलब्ध है। लीबिया में 2.21 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे सस्ता पेट्रोल मिलता है। वहीं, हांगकांग में 419.25 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे महंगा पेट्रोल बिकता है, जबकि डीजल 458 रुपये प्रति लीटर है।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की बंपर कमाई, वित्तीय साल 26 में कमीशन 16,551 करोड़

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की कमीशन से होने वाली कमाई में वृद्धि जारी है, भले ही शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा हो और निवेशकों के बीच डायरेक्ट म्यूचुअल फंड प्लान की लोकप्रियता बढ़ी हो। वित्त वर्ष 2025-26 (वित्तीय साल 26) में, देश की शीर्ष 10 म्यूचुअल फंड कंपनियों ने डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल 16,551 करोड़ रुपये का कमीशन दिया। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष (वित्तीय साल 25) के 14,797 करोड़ रुपये के मुकाबले 12 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दिखाता है, जो एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) की वृद्धि पर दबाव के बावजूद दर्ज किया गया।

म्यूचुअल फंड कंपनियां अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स को उनके द्वारा जुटाए गए और फंड में बने रहने वाले निवेश के आधार पर कमीशन देती हैं, जिसकी दरें विभिन्न स्कीमों के अनुसार अलग-अलग होती हैं। देश की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनियों में से एक, एसबीआई म्यूचुअल फंड ने वित्त वर्ष 2026 में कुल 3,159 करोड़ रुपये का कमीशन दिया, जो बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 10.7 फीसदी अधिक है। इसमें से 1,605 करोड का कमीशन उसकी स्पॉन्सर बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का कुल कमीशन भुगतान 17.5 फीसदी बढ़कर 2,783 करोड़ हो गया, जबकि उसकी स्पॉन्सर बैंक आईसीआईसीआई बैंक को मिलने वाले कमीशन में 9.1 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 379 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने वित्त वर्ष 2026 में डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल 2,471 करोड़ रुपये का कमीशन दिया।

संतुलित निवेश रणनीति हाइब्रिड,सोना और किस्तों में निवेश

नई दिल्ली ।

वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ती तेल कीमतों और बॉन्ड यील्ड में उछाल के मौजूदा दौर में, प्राइवेट वेल्थ ने निवेशकों के लिए संतुलित निवेश रणनीति पेश की है। अपनी रिपोर्ट में, कंपनी ने इक्विटी पोर्टफोलियो में विविधता लाने का सुझाव दिया है। इसके तहत, निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का 40 फीसदी हिस्सा हाइब्रिड और लार्ज कैप रणनीतियों में, 50 फीसदी मिड और स्मॉल कैप शेयरों में, और शेष 10 फीसदी विदेशी शेयरों में लगाने की सलाह दी गई है। बाजार पर न्यूट्रल रुख के बावजूद, कंपनी मिड और स्मॉल कैप शेयरों को प्राथमिकता देना जारी रखेगी है।

निवेश के तरीके पर, रिपोर्ट हाइब्रिड रणनीतियों में एकमुश्त निवेश करने और शुद्ध इक्विटी आधारित योजनाओं में धीरे-धीरे किस्तों (एसआईपी) में निवेश करने की सलाह देती है। यह रणनीति बाजार के ऊंचे स्तरों पर पैसा लगाने के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकती है। जानकारों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। हालांकि, भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही और निफ्टी 50 कंपनियों का शुद्ध मुनाफा भी सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़ा।

माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ समय के लिए एनवीडिया को पछाड़ा, कारोबार बंद होने तक स्थिति बदली

एआई क्षेत्र में भारी निवेश से मिलने वाले मुनाफे को लेकर निवेशकों में चिंताएं

नई दिल्ली।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े जासूसी विवाद और एआई कारोबार को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार में एनवीडिया का शेयर छह फीसदी से ज्यादा टूट गया, जिसके चलते अमेरिकी तकनीकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए बाजार पूंजीकरण में उसे पीछे छोड़ दिया।

इस दौरान माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। हालांकि, कारोबार बंद होने तक एनवीडिया ने अपनी दूसरी स्थिति वापस हासिल कर ली। जानकारों के मुताबिक निवेशक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि जेनसन हुआंग, जो 33 सालों से एनवीडिया का नेतृत्व कर रहे हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में इस्तेमाल होने वाली उन्नत चिप बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है, उनसे जुड़ी यह जांच कंपनी के नेतृत्व और भविष्य की कारोबारी रणनीति पर क्या असर डालेगी। इसके अतिरिक्त, एआई क्षेत्र में भारी निवेश से मिलने वाले भविष्य के मुनाफे को लेकर भी निवेशकों में चिंताएं बनी हुई हैं। इन कारणों से एनवीडिया के शेयरों में बिकवाली तेज हुई है।कारोबार के दौरान एनवीडिया का शेयर छह फीसदी से ज्यादा गिरकर करीब 167.11 डॉलर पर आ गया था। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट का शेयर महज 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ 543.25 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जिससे वह एनवीडिया से आगे निकल गया। कारोबार खत्म होने पर एनवीडिया का शेयर 5.47 फीसदी की गिरावट के साथ 168.89 डॉलर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, माइक्रोसॉफ्ट का शेयर 2.20 फीसदी गिरकर 533.16 डॉलर पर बंद हुआ। दिन के अंत में, एनवीडिया का बाजार पूंजीकरण करीब 4.07 लाख करोड़ डॉलर रहा, जबकि माइक्रोसॉफ्ट का 3.96 लाख करोड़ डॉलर था।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन के विवाद से कंपनी के शेयरों में आई भारी गिरावट

गिरावट का फायदा माइक्रोसॉफ्ट को मिला, बनी दूसरी सबसे बड़ी वैल्युएबल कंपनी

वाशिंगटन।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के व्यक्तिगत संबंधों की खबरों के बीच कंपनी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को एनवीडिया के शेयर 6फीसदी से ज्यादा टूट गए, जिससे महज दो कारोबारी सत्रों में कंपनी की मार्केट कैप से करीब 470 अरब डॉलर कम हो गए। शेयरों में इस बड़ी गिरावट का फायदा उठाते हुए माइक्रोसॉफ्ट ने बाजी मार ली और एनवीडिया को पीछे छोड़कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई। यह जून 2025 के बाद पहली बार है जब माइक्रोसॉफ्ट ने यह उपलब्धि हासिल की है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जेनसन हुआंग के एक चीनी कारोबारी महिला, एलिस हुआंग के साथ संबंधों ने चीन में एनवीडिया के चिप्स की आपूर्ति को आसान बनाने में भूमिका निभाई। एलिस पर चीन के लिए जासूसी करने के आरोप भी लगे हैं। इस पूरे मामले ने एनवीडिया की कारोबारी साख, अमेरिकी निर्यात नियमों के पालन और कंपनी के नेतृत्व को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एनवीडिया के बोर्ड ने इस विवाद के सामने आने के बाद रविवार को जांच शुरू कर दी है। वहीं, अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या जेनसन हुआंग को किसी विदेशी खुफिया एजेंसी ने निशाना बनाया था। मीडिया रिपोर्ट में जानकारों के मुताबिक फिलहाल निवेशकों की चिंता सिर्फ सीईओ से जुड़े विवाद तक सीमित नहीं है। उन्हें यह भी डर है कि अगर इस मामले में अमेरिकी नियमों के उल्लंघन की बात सामने आती है, तो एनवीडिया के कारोबार पर और प्रतिबंध लग सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जेनसन हुआंग और एलिस हुआंग के संबंधों से चीन में करीब 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स की आपूर्ति को मदद मिली।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये की स्टील फैक्ट्री में धमाका, 17 मजदूरों की मौत:12 घायल

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के इजमिर शहर के पास सोमवार को एक स्टील फैक्ट्री में धमाका हुआ। इसमें 17 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। हादसे के समय फैक्ट्री में काम चल रहा था। बीबीसीके मुताबिक, बॉयलर ले जा रही एक क्रेन गैस लाइन से टकरा गई। इसके बाद सामान नीचे लगी भट्टी में गिरा और जोरदार विस्फोट हो गया। मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि हादसा दोपहर के आसपास हुआ। उस समय क्रेन से एक नया बॉयलर ले जाया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। फैक्ट्री चलाने वाली कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि हादसा प्लांट की एक इलेक्ट्रिक आर्क भट्टी में तय रखरखाव के काम के दौरान हुआ। यह फैक्ट्री हबास डेमिर सेलिक कंपनी की है, जो तुर्किये की बड़ी स्टील कंपनियों में शामिल है। राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने सोमवार को कैबिनेट बैठक के बाद हादसे में हुई मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और बचाव दल लगातार राहत और बचाव के काम में जुटे हैं। तुर्किये में काम के दौरान होने वाले हादसे लंबे समय से चिंता का विषय बने हुए हैं। स्वतंत्र सामाजिक संगठन तुर्किश हेल्थ एंड सेफ्टी लेबर वॉच ने भी इसे देश की एक बड़ी समस्या बताया है। जिस फैक्ट्री में हादसा हुआ, वह इजमिर के अलियागा इलाके में है। यह इलाका बड़े बंदरगाह के लिए जाना जाता है। यहां पुराने जहाजों को काटकर कबाड़ में बदलने का काम भी होता है।

मुश्किलों में जेन्सेन हुआंग: एक दिन में 69.5 हजार करोड़ रुपये घटी दौलत

वॉशिंगटन , एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग की संपत्ति में एक ही दिन में 7.4 अरब डॉलर (69.5 हजार करोड़ रुपये) की गिरावट आई है। कंपनी के शेयरों में दबाव के बीच उनकी कुल संपत्ति घटकर 154.7 अरब डॉलर (14.53 लाख करोड़ रुपये) रह गई। इसके साथ ही वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में आठवें स्थान से फिसलकर दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस गिरावट के पीछे कंपनी के सीईओ की निजी जिंदगी से जुड़ा विवाद भी चर्चा में है। हुआंग ने अपनी पत्नी लोरी हुआंग के प्रति बेवफाई की बात स्वीकार की है। हाल ही में एक कारोबारी अधिकारी के साथ उनके संबंधों को लेकर खबरें सामने आई थीं। बताया गया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को संदेह था कि वह अधिकारी चीन के लिए सूचनाएं जुटा रही थी। फोर्ब्स के मुताबिक, नौ नवंबर को कारोबार शुरू होने के शुरुआती आधे घंटे में ही हुआंग की संपत्ति 7.4 अरब डॉलर घटकर 154.7 अरब डॉलर रह गई। इसके बाद वह बर्कशायर हैथवे के प्रमुख वॉरेन बफेट और ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन से भी नीचे आ गए। इससे पहले छह नवंबर को ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स ने हुआंग की संपत्ति 150.9 अरब डॉलर बताई थी। व्यापक तकनीकी शेयरों में बिकवाली के दौरान उनकी संपत्ति में 15.1 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई थी। एनवीडिया ने हुआंग के साथ कथित विदेशी खुफिया गतिविधि से जुड़े मामले की खबरों के बाद स्वतंत्र जांच कराने की घोषणा की है। हुआंग ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में अपनी पत्नी और बच्चों को दुख पहुंचाने के लिए माफी मांगी और जांच में सहयोग करने की बात कही। हालांकि, एनवीडिया के बोर्ड ने कहा है कि उसके पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कंपनी की गोपनीय जानकारी या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सूचनाओं से समझौता हुआ है। हुआंग फिलहाल कंपनी के प्रमुख बने हुए हैं। एनवीडिया में 3.5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हुआंग के पास एनवीडिया की 3.5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। वह कंपनी के सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक हैं। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा वेतन के बजाय कंपनी में उनकी हिस्सेदारी के मूल्य से जुड़ा है। यही वजह है कि एनवीडिया के शेयरों में उतार-चढ़ाव का असर उनकी कुल संपत्ति पर तेजी से पड़ता है। शेयरों की कीमत बढ़ने पर उनकी संपत्ति में फिर इजाफा हो सकता है, जबकि गिरावट जारी रहने पर उन्हें और नुकसान उठाना पड़ सकता है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेन्सेन हुआंग के खिलाफ प्रस्तावित क्लास एक्शन मुकदमा दायर किया गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी और हुआंग ने शेयरधारकों को गुमराह किया।

मिडटर्म के झटके के बाद ट्रंप का बड़ा एक्शन, सीनेट से 161 पेंडिंग नियुक्तियों को दी हरी झंडी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सीनेट से 161 पेंडिंग एडमिनिस्ट्रेशन अपॉइंटमेंट्स को कन्फर्म करने में तेजी लाने को कहा है और ऊपरी सदन में क्लीयरेंस का इंतजार कर रहे 25 फेडरल जजों को मंजूरी देने पर खास जोर दिया है. ट्रुथ सोशल पर शेयर की गई एक अपील में ट्रंप ने सांसदों से कहा कि वे एग्जीक्यूटिव और ज्यूडिशियल नॉमिनेशन के बैकलॉग को जल्दी से पूरा करें, ताकि फेडरल एजेंसियों और ज्यूडिशियरी में पूरी ऑपरेशनल कैपेसिटी पक्की हो सके. ट्रंप ने पोस्ट किया, 'अमेरिकी सीनेट के लिए हमारे सभी पेंडिंग 161 नॉमिनेशन, जिसमें 25 फेडरल जज शामिल हैं, को कन्फर्म करना बहुत जरूरी है.

अमेरिकी संविधान के आर्टिकल द्बद्ब के तहत कैबिनेट पदों, राजदूतों और फेडरल बेंच के लिए राष्ट्रपति के नॉमिनेशन के लिए उम्मीदवारों को पद



संभालने से पहले सीनेट की सलाह और सहमति की जरूरत होती है. यह तब हुआ जब डेमोक्रेट्स ने हाउस ऑफ रिप्रेज़ेंटेटिव्स और सीनेट दोनों पर फिर से कंट्रोल कर लिया, जिसे बड़े पैमाने पर एक ऐतिहासिक 'ब्लू वेव' कहा गया है, जिसमें लेजिस्लेटिव पावर का बैलेंस पूरी तरह से बदल गया है.

ये नुकसानदायक हार ट्रंप के बाकी प्रेसिडेंशियल टर्म के लिए एक बड़ी रुकावट बन गई है, जिससे पूरी तरह से डेमोक्रेटिक कंट्रोल वाली कांग्रेस एग्जीक्यूटिव ब्रांच को चुनौती देने के लिए तैयार है. रिपब्लिकन को चुनावों में भारी नुकसान होने के साथ कांग्रेस के डेमोक्रेट बड़े पॉलिसी प्रपोजल को आगे बढ़ाने, पिछले एग्जीक्यूटिव एक्शन को वापस लेने और एडमिनिस्ट्रेशन में कड़ी निगरानी जांच शुरू करने के लिए कमर कस रहे हैं.

फिर भी उनकी नई मिली मेजॉरिटी उन्हें बिना किसी रुकावट के लेजिस्लेटिव कंट्रोल नहीं देती है, क्योंकि प्रेसिडेंट के पास एक मजबूत कॉन्स्टिट्यूशनल सेफगार्ड है और वो है वीटो करने की पावर. अमेरिकी संविधान के आर्टिकल द्ब, सेक्शन 7 के तहत, हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट से पास हुए हर लेजिस्लेटिव मेज़र को लागू होने से पहले प्रेसिडेंट के डेस्क तक पहुंचना चाहिए. एग्जीक्यूटिव ब्रांच के पास रविवार को छोड़कर किसी बिल पर साइन करने, फॉर्मल ऑब्जेक्शन के साथ उसे वापस करने या बिना साइन के उसे लागू करने की इजाज़त देने के लिए दस दिन का टाइम होता है. अगर रेगुलर वीटो जारी किया जाता है, तो विवादित बिल राष्ट्रपति की आपत्तियों के साथ अपने मूल सदन में वापस चला जाता है.

रूस: 'यूरोपीय देशों पर हमला का हमारा कोई इरादा नहीं', उप-विदेश मंत्री बोले- हमला हुआ तो जवाब देंगे

मॉस्को , एजेंसी। रूस के उप-विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा है कि रूस का यूरोपीय देशों पर हमला करने का न तो कोई इरादा है, न योजना और न ही इसकी कोई वजह है। यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) द्वारा आयोजित 'यूरोप का सैन्यीकरण : अब आगे क्या?' विषय पर एक गोलमेज चर्चा में



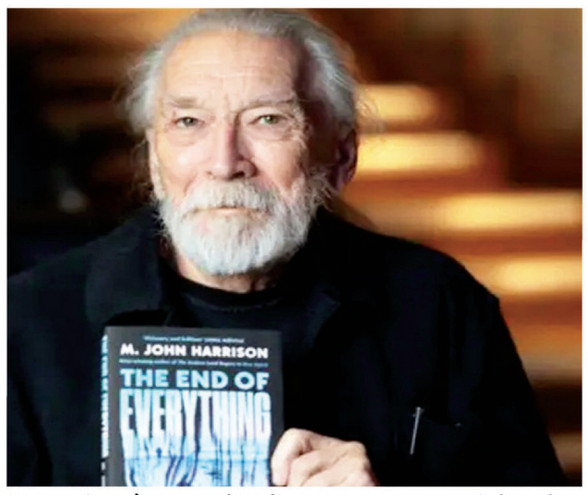
रयाबकोव ने कहा कि पश्चिमी देश यूरोप में सैन्य संघर्ष की आशंका पर इस तरह चर्चा कर रहे हैं, जैसे यह लगभग तय हो और इसे टाला नहीं जा सकता। 'यूरोप को रूस से कोई खतरा नहीं' रूस के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी बयान के मुताबिक, उप-विदेश मंत्री ने कहा कि रूस किसी के लिए खतरा नहीं है और निकट भविष्य या लंबे समय में किसी भी देश पर हमला करने की उसकी कोई योजना नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर रूस पर हमला किया जाता है तो मॉस्को को जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। रयाबकोव ने यह भी कहा कि कुछ यूरोपीय सरकारें रूस-यूक्रेन संघर्ष खत्म करने को लेकर गंभीर नहीं हैं। देशों ने यूक्रेन को उचित समाधान छोड़कर युद्ध का रास्ता चुनने के लिए प्रेरित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, रूस और यूरोप के संबंधों के भविष्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मॉस्को को उम्मीद है कि देर-सवेर यूरोपीय देश समानता, साझा सुरक्षा, व्यावहारिक सोच और एक-दूसरे के हितों का सम्मान करने के आधार पर रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार होंगे।

81 साल के एम. जॉन हैरिसन ने जीता बुकर प्राइज : द एंड ऑफ एवरीथिंग के लिए मिला सम्मान, उम्रदराज विजेता बने

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश साहित्य के जाने-माने लेखक एम. जॉन हैरिसन ने अपने उपन्यास 'द एंड ऑफ एवरीथिंग' (ञ्जद्धद्ब श्वठ्ठस्र श्रद्ध श्व1द्दह्य4ह्लद्धद्बठ्ठद्) के लिए प्रतिष्ठित बुकर प्राइज जीत लिया है। 81 वर्ष की उम्र में यह ऐतिहासिक सम्मान हासिल करने के साथ ही हैरिसन बुकर प्राइज के इतिहास में सबसे उम्रदराज विजेता बन गए हैं। सोमवार को लंदन में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें ट्रॉफी और 50 हजार पाउंड (लगभग 53 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। हैरिसन पिछले करीब छह दशकों से साहित्य सृजन में सक्रिय हैं और वैश्विक स्तर पर गंभीर पाठकों के बीच उनका एक खास मुकाम रहा है। 'द एंड ऑफ एवरीथिंग': रहस्यमयी आपदा के बाद बदलते समाज का ताना-बानाकथानक का दायरा: यह उपन्यास एक ऐसे काल्पनिक और झकझोर देने वाले ब्रिटिश समाज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो एक अज्ञात व रहस्यमयी आपदा के बाद पूरी तरह बदल चुका है। समीक्षकों की राय: किताब को लेकर पाठकों और आलोचकों के बीच रोचक बहस देखने को मिली है। एक प्रमुख समीक्षक ने इसे 'उदास लेकिन बेहद शानदार' और 'सपने जैसा उलझाने वाला' करार दिया है।

जूरी चेयर डेम मैरी बियर्ड की टिप्पणी: 'चुनौतीपूर्ण मगर उम्मीद जगाती किताब'बुकर प्राइज के निर्णायक मंडल (जूरी) की अध्यक्ष डेम मैरी बियर्ड ने पुस्तक के चयन पर प्रकाश डालते हुए कहा:

साहित्यिक गहराई: उन्होंने स्वीकार किया कि यह उपन्यास पाठकों के लिए मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण है, लेकिन



विश्वस्तरीय और उच्च कोटि के साहित्य का स्वभाव ही ऐसा होना चाहिए जो सोचने पर विवश करे।

उम्मीद का संदेश: डेम मैरी ने कहा कि गंभीर और उदास विषय-वस्तु के बावजूद यह किताब पाठक को जीवन को देखने का एक नया नजरिया देती है, चेहरे पर हल्की मुस्कुराहट लाती है और अंत में मन में उम्मीद की एक पुख्ता किरण छोड़ जाती है।

कैलिफोर्निया नाव हादसा: दो मैक्सिकन पायलटों को 70-70 महीने की जेल, दो भारतीय बच्चों समेत 4 की हुई थी मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। दो मैक्सिकन बोट पायलटों को मानव तस्करी के मामले में 70-70 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इस तस्करी में मई 2025 में कैलिफोर्निया के पास एक नाव पलटने से दो भारतीय बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। 28 साल के जीसस इवान रोड्रिगेज लेवा और 32 साल के जूलियो सीजर जुनिगा लूना को डेल मार के पास



पलटी हुई नाव को चलाने के लिए फेडरल कोर्ट ने सजा सुनाई। मारे गए भारतीय बच्चों की उम्र 14 और 10 साल थी। कैलिफोर्निया के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, बाकी दो मृतक मैक्सिकन वयस्क थे। पायलटों ने माना कि नाव में सुरक्षित क्षमता से कहीं अधिक यात्री सवार थे। नाव में न तो कोई लाइट थी और न ही रेडियो। खतरनाक सफर शुरू करने से पहले ही नाव की मोटर में खराबी आ गई थी, जिससे उन्हें मेक्सिको में अपनी लॉन्च साइट पर लौटना पड़ा। अमेरिकी अटॉर्नी एडम गॉर्डन ने कहा, 'आज की सजा इंसानी जिंदगी से ऊपर लालच को रखने के गंभीर नतीजे दिखाती है।' रोड्रिगेज और जुनिगा ने 14 अप्रैल को अपना अपराध कबूल किया था। उन पर अवैध रूप से लोगों को लाने की कोशिश करने के आरोप थे, जिसके कारण मौतें हुईं।

ट्रंप ने हेगसेथ का किया बचाव, कहा- ईरान और वेनेजुएला में जीते दो युद्ध, अब महाभियोग की बात क्यों?

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ का आलोचना और महाभियोग की बातों के खिलाफ बचाव किया। उन्होंने ईरान और वेनेजुएला में सैन्य जीत का दावा किया, साथ ही यह भी माना कि ऊर्जा की कीमतों को लेकर चिंता उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। व्हाइट हाउस में एक अचानक बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने हेगसेथ को अभियानों का निर्देशन करने का श्रेय दिया और तर्क दिया कि उन्हें उन अभियानों पर कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए, जिन्हें राष्ट्रपति ने सफल बताया। ट्रंप ने कहा, 'मैं यह कहता हूं, पीट हेगसेथ ने दो युद्ध जीते, और अब लोग कह रहे हैं कि चलो उन पर महाभियोग लगाते हैं।' ट्रंप ने वेनेजुएला ऑपरेशन को 48 मिनट तक चलने वाला बताया और दावा किया कि इसमें कोई मारा नहीं गया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को वहां से बड़ी मात्रा में तेल आपूर्ति मिल रही है और वहां अपनी भागीदारी से पैसा कमा रहा है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि हेगसेथ ने युद्ध जीत लिया है, फिर बाद में कहा कि अभियान अभी भी जीत की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप ने कहा कि ईरान एक समझौता चाहता है और दावा किया कि उसकी नौसेना और वायु सेना नष्ट हो गई है। उन्होंने किसी समझौते के लिए प्रस्तावित शर्तें नहीं बताईं और न ही बातचीत के लिए कोई समय-सीमा दी। उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने को अभियान का मुख्य लाभ बताया। लेकिन उन्होंने माना कि मतदाताओं की ऊर्जा की कीमतों को लेकर चिंता राजनीतिक कीमत वसूल सकती है। ट्रंप ने कहा, 'अब, अल्पावधि में, शायद मेरे लिए बुरा है क्योंकि लोग थोड़ी कम ऊर्जा लागत चाहते हैं। हम इसे वापस नीचे ले आएंगे।' ट्रंप ने यह नहीं बताया कि कीमतें कब गिरेंगी या उनकी सरकार उन्हें नीचे लाने के लिए क्या कदम उठाएगी। हेगसेथ का उनका बचाव काफी हद तक पहले के अमेरिकी युद्धों से तुलना पर आधारित था। उन्होंने वियतनाम, अफगानिस्तान और इराक में परिणामों की आलोचना की और तर्क दिया कि उन संघर्षों में बिना कोई सार्थक लाभ हासिल किए भारी नुकसान हुआ था। ट्रंप ने यह भी सवाल उठाया कि पिछली सैन्य विफलताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेही की समान मांगों का सामना क्यों नहीं करना पड़ा। उन्होंने बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी का जिक्र किया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे गायब हो गए थे।

ईयू रिपोर्ट- फ्रांस प्रदर्शनों में रूस-इजराइल-अमेरिका का दखल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के बीच सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्ट और वीडियो फैलाए गए। यूरोपीय संघ की एक आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस से जुड़े नेटवर्क ने प्रवासियों के खिलाफ नफरत फैलाकर लोगों को भड़काने की कोशिश की। इसके अलावा इजराइल और अमेरिका के 'मागा' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन से जुड़े अकाउंट्स ने भी प्रदर्शन से जुड़ी गलत जानकारियां फैलाईं।

इनका मकसद फ्रांस सरकार को कमजोर दिखाना था। हालांकि, इन नेटवर्क ने प्रदर्शन शुरू नहीं कराए, बल्कि पहले से चल रहे विरोध का फायदा उठाया। देश में आतंकी हमले होने के झूठे दावे फैलाए रूस से जुड़े नेटवर्क ने सोशल मीडिया पर कई झूठे दावे फैलाए। इनमें कहा गया कि प्रवासी प्रदर्शनकारियों के साथ दुष्कर्म कर रहे हैं और देश में आतंकी हमले हो सकते हैं। इन पोस्ट के जरिए लोगों में डर और प्रवासियों के खिलाफ गुस्सा पैदा करने की कोशिश की गई। फ्रांस के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 16 से 18 अक्टूबर के बीच रूस समर्थक समूहों के सबसे ज्यादा देखे गए 10 पोस्ट को 28 लाख बार देखा गया।

इसी दौरान अमेरिका के 'मागा' आंदोलन से जुड़े लोगों के 10 सबसे ज्यादा देखे गए पोस्ट को 4.9 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया। वहीं, इजराइली अधिकारियों, सरकारी अकाउंट्स और प्रभावशाली लोगों के ऐसे ही 10 पोस्ट को 3.5 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया।

मागा यानी 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अमेरिका का दक्षिणपंथी आंदोलन है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प और उनकी राजनीति का समर्थन करता है।

फ्रांस के पीएम ने श्रमिक संगठनों के साथ बैठक की फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने लगातार हो रहे प्रदर्शनों के बीच सोमवार को फ्रांस में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरा। इसके बाद यह



उद्योग संगठनों और श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बैठक में लोगों की खरीदने की ताकत बढ़ाने और वेतन से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई। सरकार न्यूनतम वेतन में एक बार फिर बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। इसका मकसद महंगाई से परेशान लोगों को राहत देना है। फ्रांस से शुरू हुए प्रदर्शन 31 देशों तक पहुंचे दुनिया भर में हिंसा और विरोध प्रदर्शनों पर नजर रखने वाली संस्था एक्लेड के आंकड़ों के मुताबिक, 15 सितंबर से 30 अक्टूबर के बीच यूरोप के 31 देशों में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था को लेकर 1700 से ज्यादा प्रदर्शन हुए। इनकी शुरुआत फ्रांस से हुई थी। विरोध स्पेन और इटली जैसे देशों में भी फैल गया। यहां हजारों लोगों ने महंगे घरों और रोजमर्रा की चीजों की बढ़ती कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन किया। यानी लोगों की आर्थिक परेशानियां अब कई देशों में सरकारों के लिए चुनौती बन रही हैं। स्पेन समेत 5 देशों में और तेज हो सकते हैं प्रदर्शन यूरोप के कई देशों में आने वाले दिनों में विरोध बढ़ने के आसार हैं। स्पेन में ट्रेड यूनियनों ने 11 नवंबर को हड़ताल रखी है। वहीं, इटली के सबसे बड़े श्रमिक संगठन ने महंगाई के खिलाफ 20 नवंबर को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। इसके अलावा जर्मनी, पुर्तगाल और अल्बानिया में भी प्रदर्शन तेज हो सकते हैं।

अमेरिका को मजबूत औद्योगिक आधार की जरूरत, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम हो: जेडी वेंस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने महत्वपूर्ण पुर्जों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) को मजबूत करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने आपूर्ति से जुड़े जोखिमों को बढ़ाया था। साथ ही, उन्होंने पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले अमेरिकी व्यवसायों के लिए अधिक फंडिंग देने का वादा किया। 'नेशनल वेटरन्स स्मॉल बिजनेस वीक' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेडी वेंस ने छोटे उद्यमों के समर्थन को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को एक ऐसे औद्योगिक आधार की जरूरत है, जो उसके सैनिकों को जरूरी चीजें मुहैया करा सके और आर्थिक विकास को बनाए रख सके। वेंस ने कहा कि देश ने दशकों तक इस बात पर बहुत कम ध्यान दिया कि सामान कहां बन रहा है। उन्होंने कहा कि व्यवसायों और नीति-निर्माताओं ने उत्पादों को उनके बनने की जगह से अधिक जरूरी समझा।

उपराष्ट्रपति ने मेक्सिको, चीन और अपने गृहनगर मिडिलटाउन, ओहियो का उदाहरण देते हुए बताया कि इस तरीके में घरेलू उत्पादन के महत्व को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कोविड के दौरान हम सभी ने यह सबक सीखा और सच कहूं तो, हमें यह सबक उससे बहुत पहले ही सीख लेना चाहिए था कि कभी-कभी जब आप महत्वपूर्ण पुर्जों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर होते हैं, तो जरूरत के समय वे हमेशा उपलब्ध नहीं होते।'

वेंस ने कहा कि प्रशासन इस साल पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले छोटे व्यवसायों को समर्थन देने के लिए करोड़ों डॉलर देगा और आने वाले कुछ वर्षों में यह मदद अरबों डॉलर तक पहुंच सकती है। वेंस ने कहा, 'उनका मानना ??है कि केली लोफ्लर के नेतृत्व में 'स्मॉल बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' के जरिए पूर्व सैनिकों से जुड़े छोटे व्यवसायों को पहले ही 1.3 अरब डॉलर दिए जा चुके हैं।' हालांकि, उन्होंने इस आंकड़े के लिए कोई समय-सीमा या विस्तृत विवरण नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि इस मदद से व्यवसायों के पास कर्मचारियों को काम पर रखने, उन्हें प्रशिक्षित करने और अपने उत्पादों का विस्तार करने के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। वेंस ने कहा, 'आप लोग कई मायनों में अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।'

वेंस ने सैन्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में छोटे व्यवसायों के योगदान का जिक्र किया और 'पैट्रियट मिसाइलों' में उनकी भागीदारी का उदाहरण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि 1,200 छोटे व्यवसायों ने अमेरिकी सैनिकों के लिए 'साइडआर्म्स' विकसित करने में मदद की है।

उन्होंने तर्क दिया कि ये कंपनियां यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि सैन्य कर्मियों के पास ऐसे भरोसेमंद हथियार हों, जिन्हें उनके ही देशवासियों, जिनमें पूर्व सैनिक भी शामिल हैं, ने बनाया हो। उन्होंने कहा कि इन व्यवसायों का समर्थन करना सिर्फ नौकरियों



या आर्थिक उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उससे कहीं बढ़कर है।

वेंस ने पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले व्यवसायों का समर्थन करने के लिए लोफ्लर और जेपी मॉर्गन चेस को धन्यवाद दिया। उनका परिचय देते हुए, लोफ्लर ने मरीन कॉर्प्स में उनकी सेवा और व्यावसायिक अनुभव का जिक्र किया।

इसी अनुभव का हवाला देते हुए, वेंस ने बताया कि राजनीति में आने से पहले उन्होंने सिनसिनाटी में एक टेक्नोलॉजी इन्वेस्टर के तौर पर काम किया था। उनकी फर्म ने युवा टेक्नोलॉजी कंपनियों को सपोर्ट किया, जिनमें अनुभवी लोगों के स्वामित्व वाले व्यवसाय और हथियारों की सप्लाई चेन में योगदान देने वाली कंपनियां शामिल थीं।

उन्होंने छोटे व्यवसायों के लिए दी जाने वाली सहायता में होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए लोफ्लर के प्रयासों की भी तारीफ की। वेंस ने दावा किया कि महामारी के दौर में फंड जारी होने के बाद धोखाधड़ी में भारी बढ़ोतरी हुई, जिससे असली कंपनियों का पैसा गलत हाथों में चला गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन जांच प्रक्रिया को सख्त कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एसबीए लोन के लिए आवेदन करने वाले लोग इसके योग्य हैं। उन्होंने इन प्रयासों से हुई रिकवरी या बचत के बारे में कोई आंकड़े नहीं दिए।

वेंस ने व्यवसाय मालिकों और कांग्रेस के नेताओं से आग्रह किया कि वे सरकारी सहायता में मौजूद कमियों की पहचान करने में मदद करें। उन्होंने कहा, 'हमें बताएं कि हम अपने समुदायों में पूर्व सैनिकों की ओर से संचालित छोटे व्यवसायों को बेहतर तरीके से कैसे सपोर्ट कर सकते हैं।' इसके साथ ही, उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रशासन चाहता है कि कंपनियां अपना विस्तार करें, नए लोगों को काम पर रखें और नए उत्पाद विकसित करें, साथ ही देश की आवश्यक वस्तुओं के निर्माण की क्षमता को भी मजबूत करें।

देश का दर्पण न्यूज प्राइवेट लिमिटेड, address- 14 no V ki sikar Road